RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः31 , रविवार, 15 मार्च 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

मोतिहारी में वर्ष की पहली राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित, हजारों मामलों का हुआ निपटारा 03

रक्सौल में अंतरराष्ट्रीय जन सेवा संगठन के कार्यालय का उद्घाटन 04

द केरल सटोरी 2 ने 13वें दिन भी बॉक्स ऑफिस पर मचाया धमाल... 07

संक्षिप्त समाचार

शिवालिक के बाद अब नंदा देवी भी होर्मुज से निकला

- इंडियन नेवी की सुरक्षा में 46,000 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर आ रहा भारतीय जहाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में एलपीजी संकट के बीच बहुत बड़ी राहत की खबर है। ईरान की ओर से भारतीय झंडे वाले टैंकरों को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकलने देने की अनुमति के बाद भारत के दूसरे एलपीजी जहाज नंदा देवी ने भी युद्ध से प्रभावित होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित पार कर लिया है। एलपीजी टैंकर शिवालिक के बाद नंदा देवी दूसरा जहाज है, जिसे ईरान ने कूटनीतिक चर्चाओं के बाद होर्मुज स्ट्रेट से

सुरक्षित निकलने दिया है। नंदा देवी 46,000 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर भारत आ रहा है और होर्मुज स्ट्रेट से निकलने के बाद इसे भारतीय नौ सेना के जहाज द्वारा एस्कॉर्ट किया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि इंडियन नेवी का जहाज नंदा देवी को भारत तक सुरक्षित लेकर आएगा। उम्मीद है कि यह जहाज अगले दो दिनों में भारत पहुंच सकता है। हालांकि, अभी यह जानकारी नहीं है कि यह मुंबई आएगा या गुजरात के कांडला बंदरगाह जाएगा। इससे पहले एक और एलपीजी टैंकर शिवालिक को भी इसी तरह से सुरक्षित होर्मुज स्ट्रेट पार करने दिया गया।

अमेरिका देखता रह गया ईरान ने कर दिया 'खेला'

- भारत-श्रीलंका से अपने 267 नौसैनिकों को ले उड़ा शिया देश

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने भारत में फंसे अपने 180 नौसैनिकों को सुरक्षित निकाल लिया है। ये सभी ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस डेना पर तैनात थे। इस ईरानी जहाज में खराबी आने के बाद भारत ने कोच्चि में उसे शरण दी है। यही नहीं ईरान ने श्रीलंका से अपने 84 नौसैनिकों के शव को भी निकाल लिया है। ये सभी अमेरिकी परमाणु पनडुब्बी के टारपीडो हमले में मारे गए थे। ईरानी नौसैनिक डेना युद्धपोत

पर सवार थे जो भारत में नौसैनिक अभ्यास से लौट रहा था और श्रीलंका के पास समुद्र में अमेरिकी हमले का शिकार हो गया था। ईरानी नौसेना का एक और जहाज बुशहर अभी श्रीलंका में त्रिकोंमाली बंदरगाह पर है जहां उसके इंजन को ठीक किया जा रहा है। ईरान ने इन सभी नौसैनिकों और शवों को निकालने के लिए स्पेशल चार्टर्ड प्लेन का इंतजाम किया था। अमेरिका और इजरायल के साथ जारी युद्ध के बीच ईरान ने अपने नौसैनिकों को निकालने के लिए एक खास रास्ता चुना था। श्रीलंकाई एक्सपर्ट रंगा श्रीलाल के मुताबिक ईरानी चार्टर्ड विमान सबसे पहले श्रीलंका गया और वहां से 84 नौसैनिकों के शव लेने के बाद मट्टाला एयरपोर्ट से उड़ान भरी।

मोदी की रैली से पहले कोलकाता में संग्राम

- भाजपा-टीएमसी कार्यकर्ताओं में झड़प,एक दूसरे पर मारे पत्थर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में पीएम मोदी की रैली से पहले भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं में विवाद हुआ है। गिरीश पार्क एरिया में दोनों ग्ररुप ने एक-दूसरे पर पत्थरबाजी की। पुलिस ने भीड़ को खदेड़ा। पश्चिम बंगाल में उद्योग, वाणिज्य और उद्यम मंत्री शशि पंजा ने आरोप लगाया कि झड़प के दौरान मुझ पर ईंट मारी गई। भाजपा गुंडा नहीं है, हत्यारी है। मंत्री पंजा का यहीं पर घर है। जानकारी के अनुसार, बीजेपी और टीएमसी, दोनों ही पार्टियों के

कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे पर पत्थर फेंके। बीजेपी ने दावा किया कि पीएम मोदी की रैली में शामिल होने के लिए गिरीश पार्क इलाके से गुजरते रही बीजेपी कार्यकर्ताओं की बस पर हमला किया गया। बीजेपी कार्यकर्ताओं का आरोप है कि जब हिंसा भड़की,तो पुलिस मूकदर्शक बनी खड़ी रही। एक बीजेपी कार्यकर्ता ने बताया कि हम उस बस में सवार थे, जिस पर पत्थरों से हमला किया गया। उन्होंने कहा कि इस हमले में हमें चोटें आईं।

बहुत हो गई छुट्टी! वीकेंड में भी करना पड़ सकता है काम

- सांसदों को लेकर मोदी सरकार का नया प्रस्ताव हो गया तैयार

अब शनिवार और रविवार को भी चलेगी संसद की कार्यवाही!

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2026-27 का आम बजट इस बार रविवार को पेश हुआ, क्योंकि 1, फरवरी को रविवार था। ऐसे ही लगता है कि बजट सत्र के आखिर में भी सांसदों को अपना वीकेंड संसद में ही गुजारना पड़ सकता है। इस साल बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू हुआ था और 2 अप्रैल तक चलना है। जानकारी के अनुसार इस साल बजट सत्र के दूसरे हिस्से में कई पर्व-त्योहारों की वजह से जो संसदीय कार्य नहीं हो पाएंगे, सरकार उसे शनिवार और रविवार (28 और 29 मार्च) को

संसद बुलाकर पूरा करना चाहती है। इस मामले की जानकारी रखने वाले लोगों का कहना है कि केंद्र सरकार की ओर से इस तरह का प्रस्ताव दिया गया है, क्योंकि आने वाले दिनों में गुड़ी पड़वा, उगादी, ईद और राम नवमी जैसे त्योहार आने वाले हैं।

- **बजट सत्र का पूरा उपयोग करना चाहती है सरकार-** बजट सत्र का दूसरा हिस्सा 9 मार्च को शुरू हुआ है और यह 2 अप्रैल तक आयोजित किया गया है। केंद्र के प्रस्ताव की जानकारी रखने वाले ने बताया है, इसी वजह से यह प्रस्ताव रखा गया है कि 28 और 29 मार्च को कार्यकारी दिवस रखा जाए, ताकि समय की भरपाई हो सके और बजट सत्र का अधिकतम लाभ उठाया जा सके।

- कैथल पहुंचे यूपी के सीएम आदित्यनाथ,बोले-समर्थन करना चाहिए

जिस देश की संत शक्ति मजबूत उसे कोई नहीं हरा सकता:योगी

कैथल (एजेंसी)। कैथल में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोंगल गांव स्थित सिद्ध बाबा मुकुट नाथ मठ में पहुंचे। उनके आगमन को लेकर जिला प्रशासन की ओर से कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनका सौभाग्य है कि उनको बाबा मुकुट नाथ के दर्शन करने का अवसर मिला। जीते जी तो सम्मान देना ही है, गुरुओं को बाद में भी सम्मान देना चाहिए। सिकंदर का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि गुरुओं के सामने तो सिकंदर जैसे विजेताओं को भी नतमस्तक होना पड़ा। भारत में संतों की परंपरा रही है कि उन्होंने अपने आपको राष्ट्र के प्रति समर्पित किया है। संतों हर जगह सम्मान किया जाता है। पंजाब और हरियाणा में तो संतों की काफी लंबी परंपरा रही है। संत शक्ति जागरुक होगी तो कोई भी ताकत देश धर्म को झुका नहीं सकती। जो लोग देश हित में काम कर रहे हैं, उनका समर्थन करना चाहिए।

- **1600 वर्ष पुराना धार्मिक स्थल-** इस दौरान महंत पीरशेरनाथ ने बताया कि सिद्ध बाबा मुकुट नाथ मठ क्षेत्र का एक प्राचीन धार्मिक स्थल है, जो लगभग 1600 से 1700 वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है। यह स्थान सिद्ध पुरुष बाबा मुकुट नाथ की तपस्थली माना जाता है, जहां उनकी स्मृति में निरंतर ज्योति प्रज्वलित रहती है। मठ परिसर में अब तक के 17 महंतों की समाधियां स्थित हैं, जिनकी प्रतिदिन पारंपरिक तरीके से गाय के गोबर से लिपाई की जाती है।

कांग्रेस ने असम के युवाओं को किया था गुमराह

- पीएम मोदी बोले-उन्हें आतंकवाद के रास्ते पर धकेला

कहा-बीजेपी सरकार ने सरकारी नौकरियों के रास्ते खोले

गुवाहाटी (एजेंसी)। पीएम मोदी ने असम दौरे के दूसरे दिन सिलचर में कहा कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में असम के युवाओं को गुमराह किया। उन्हें हिंसा और आतंकवाद के रास्ते पर धकेला। लेकिन आज यह राज्य अवसरों का सागर है। पीएम ने बताया कि कांग्रेस ने असम को 'फूट डालो-राज करो' नीति में रखा। आज असम खुला आसमान है। असम भारत के सेमीकंडक्टर सेक्टर का अहम हिस्सा बन रहा है। राज्य ने सरकारी नौकरियों

के रास्ते खोले हैं। पीएम अपनी स्पीच में कहा कि कांग्रेस ने नॉर्थ ईस्ट को भुला दिया था, लेकिन बीजेपी की डबल इंजन की सरकार ने इसे ऐसे कनेक्ट किया जिसकी हर जगह चर्चा है। नॉर्थ ईस्ट आज दक्षिण एशिया जोड़ने वाला सेतु बन रहा है। इसके पहले मोदी ने सिलचर में 23,550 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि सिचलर को बराक घाटी का गेटवे है। लेकिन कांग्रेस ने नॉर्थ ईस्ट को दिल्ली से और दिल से दूर रखा था।

- **कांग्रेस ने झूठी रील बनाने की इंडस्ट्री खोली, युवा सतर्क रहें-** कांग्रेस मोदी को भर-भर के गाली दे। कांग्रेस का देश के लिए कोई विजन नहीं है। इन्होंने झूठी रील बनाने की इंडस्ट्री खोली हुई है। दुनिया भारत के तेज विकास को नहीं पचा पा रही है। कांग्रेस विदेश ताकतों के हाथ की कठपुलती रहेगी। असम के हर नागरिक को, हर नौजवान को कांग्रेस से सर्तक रहना है। अमस, बराक वैली विकास के पथ पर आगे बढ़ चुके हैं। वह दिन दूर नहीं, जब बराक वैली को विकास के नए सेंटर के रूप में पहचान मिलेगी। मोदी ने अपने संबोधन में कहा- पूरे देश ने कांग्रेस के इस कपड़ा फाड़ भद्दे प्रदर्शन की बुराई की। गांधी परिवार इसे अपना मेडल मान रहा है।

अमेरिका के थाड बैटरी हटाते ही किम जोंग ने दिखाई ताकत

- दागी 10 बैलिस्टिक मिसाइल

सियोल (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच अब पूर्व एशिया में तनाव बढ़ने की खबर आ रही है। दक्षिण कोरिया की सेना ने बताया कि शनिवार को उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर की और लगभग 10 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। यह शक्ति प्रदर्शन ऐसे समय में किया गया है जब अमेरिकी सेना दक्षिण कोरिया के साथ के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास कर रही है। जापान ने भी उत्तर कोरिया के मिसाइल दागे जाने की पुष्टि की और बताया कि यह उसे विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर समुद्र में गिरी। दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने बताया कि मिसाइलें उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के पास एक इलाके से दागी गई थीं। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि वे कितनी दूर तक गईं।

कांग्रेस गरीब पार्टी, लेकिन उसके नेता बहुत अमीर:राहुल

काशीराम की जयंती पर कांग्रेस नेता ने अपनों को भी घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता विपक्ष और मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को लखनऊ में संविधान सम्मेलन को संबोधित किया।

इस दौरान उन्होंने अपनी ही पार्टी के नेताओं को निशाने पर लिया और कहा, कांग्रेस गरीब पार्टी है लेकिन उसके जो बड़े-बड़े नेता हैं, वे सब बहुत अमीर हैं। उन्होंने कहा कि हम अमीर पार्टी होना ही नहीं चाहते क्योंकि जिस दिन कांग्रेस अमीर बन जाएगी, वह भारतीय जनता पार्टी बन जाएगी। गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का यह डिजाइन महात्मा गांधी के दौर से ही है। उन्होंने कहा हमें गरीब पार्टी ही चाहिए।

लखनऊ में मान्यवर कांशीराम की जयंती पर आयोजित कांग्रेस के संविधान सम्मेलन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पार्टी की कमियों और सामाजिक बदलाव की राजनीति पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में कुछ कमियां रहीं, जिसकी वजह से बहुजन आंदोलन को मजबूती मिली और कांशी राम राजनीति में सफल हो पाए।

नहीं होगा अकाली-भाजपा गठबंधन

- शाह बोले-2027 में बीजेपी की ही सरकार बनेगी
- 2 साल में हम नशे को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे

मोगा (एजेंसी)। पंजाब में विधानसभा चुनाव- 2027 से पहले बीजेपी ने शनिवार को मोगा में बदलाव रैली की। इसमें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पहुंचे। वह केसरी रंग की पगड़ी बांधकर मंच पर पहुंचे। जोरदार नारेबाजी के साथ उनका स्वागत किया गया। रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि पंजाब में भाजपा अपनी सरकार बनाएगी। गृहमंत्री के इस बयान से अकाली दल के साथ गठबंधन की अटकलों पर विराम लग गया। गृहमंत्री ने वादा किया कि यदि पंजाब में भाजपा सरकार बनी तो 2 साल में ही नशे को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे। वहीं, रैली में आने से पहले शाह ने ट्वीट कर कहा- पंजाब का हर व्यक्ति बदलाव चाहता है। क्योंकि जवानों, किसानों और मेहनतकश लोगों के लिए प्रसिद्ध पंजाब की पवित्र भूमि को आप-दा सरकार ने करप्शन, ड्रग्स और अपराध में डुबो दिया है। रिमोट कंट्रोल वाली आप-दा सरकार में पंजाब सुरक्षित नहीं है।

- **गुरु तेग बहादुर न होते तो देश में कोई हिंदू न होता-** गृहमंत्री ने कहा- जो मेरे सिर पर जो पगड़ी दिख रही है, वह पूरे भारत पर गुरु घर के कर्ज का प्रतीक है। अमर बलिदानी गुरु तेग बहादुर जी हिंद की चादर कहे गए। उन्होंने कश्मीरी पंडितों की रक्षा के लिए अपना जीवन कुर्बान किया। मैं कहना चाहता हूं कि अगर गुरु तेग बहादुर न होते तो देश में कोई हिंदू बचा न होता।
- **हम होते तो करतारपुर साहिब पंजाब में होता-** शाह ने कहा- 1984 के सिख दंगों के खिलाफ हमारी सरकार ने 350 केस दर्ज किए। कांग्रेस ने एक भी नेता जेल में नहीं डाला। हमने डाला। हर सिख दंगा पीड़ित परिवार को 5 लाख का मुआवजा हमारी सरकार ने दिया। अफगानिस्तान और पाकिस्तान से जो सिख बचकर आए, उन्हें नागरिकता हमने दी। करतापुर कोरिडोर हमने बनाया। जब बंटवारा हुआ, हम उस समय होते तो करतारपुर साहिब को जाने न देते। शाह ने कहा- एएपी सरकार और राहुल बाबा (राहुल गांधी) किसानों को गुमराह कर रहे हैं।

रसोई गैस किल्लत

मंदिरों का अन्नदान रुका, छात्रों की रोटी पर भी आफत

- उत्तर से दक्षिण तक ढाबे-होटल में अब खाना हुआ महंगा
- हॉस्टल-मंदिर में बदला मेन्यू, पूरे देश में पड़ रहा है असर

कोलकाता/चेन्नई (एजेंसी)। ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच चल रही लड़ाई के कारण पूरे देश में एलपीजी सिलेंडर या रसोई गैस की किल्लत हो गई है। एलपीजी की कमी ने लोगों की जिंदगी को मुश्किल में डाल दिया है।

देश के हर हिस्से से ब्लैक मार्केटिंग की खबरें आ रही हैं। रेस्टोरेंट और होटल वालों ने चाय-कॉफी समेत एलपीजी से पकने वाले फूड आइटम्स के रेट बढ़ा दिए हैं। हॉस्टल और मेस चलाने वालों ने मेन्यू को छोटा कर दिया है। कई जगह मेन्यू बदल दिए गए हैं। मुफ्त भोजन कराने वाले मंदिरों और गुरुद्वारों में इसका असर दिखने लगा है।

- **तमिलनाडु में चाय- कॉफी मंहगी, कमर्शियल सिलेंडर 5000 रुपये में-** रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की ब्लैक मार्केटिंग के कारण 1400 रुपये का कमर्शल सिलेंडर 2800 रुपये में बिक रहा। तमिलनाडु में कंज्यूमर हेल्पलाइन पर होटलों और टी-स्टॉल पर ज्यादा कीमत वसूलने के 70 से ज्यादा औपचारिक शिकायतें मिली हैं। चेन्नई में चाय-कॉफी के रेट बढ़ गए हैं। मोगाप्पैर और अन्ना नगर में एक गिलास चाय की कीमत 12 रुपये से बढ़ाकर 15 रुपये और कॉफी की कीमत 18 रुपये हो गई है।

- **कई मिठाइयां गायब, लकड़ी के चूल्हों पर पक रही बिरयानी-** कोलकाता में तेज आंच पर बनने वाली मिठाइयों पर एलपीजी किल्लत का असर पड़ा है। जिन दुकानदारों में रोजाना 10 कमर्शियल सिलेंडरों की खपत होती थी, उन्हें दो सिलेंडर से काम चलाना पड़ रहा है। लौंग लत्ता, कालोजाम, पंतुआ, दरबेश जैसी मिठाइयां दुकानों पर नहीं मिल रही हैं। कोलकाता के कई रेस्टोरेंट के मेन्यू से हांडी बिरयानी, मटन रेजाला और दाल मखनी जैसी डिशें भी गायब हो गई हैं, क्योंकि इन्हें पकाने में ज़्यादा समय लगता है। कई मशहूर रेस्टोरेंट ने इलेक्ट्रिक कुकिंग और लकड़ी के चूल्हों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। शहर में डीजल वाले स्टोव की मांग फिर से लौट आई है। ओल्ड चाइना बाजार स्ट्रीट पर डीजल वाले स्टोव बेचने वाले दुकानदार संजय चौधरी ने बताया कि डीजल वाले स्टोव की मांग तो बहुत ज़्यादा है, लेकिन इसकी सप्लाई लगभग न के बराबर है।

- **कर्नाटक-केरल में भी असर, तेलंगाना के मंदिर में अन्नदान बंद-** दक्षिण भारतीय राज्यों के होटल एसोसिएशन का कहना है कि ईंधन की कमी के कारण केरल में लगभग 40 फीसदी और कर्नाटक में 30 फीसदी फूड स्टॉल और होटल बंद हो गए हैं। केरल के तिरुवनंतपुरम के चालाई बाजार इलाके में एक चोर को एक होटल से कमर्शियल सिलेंडर चुराकर ले जाते हुए देखा गया। तेलंगाना के सिकंदराबाद में 200 साल पुराना मशहूर श्री गणेश मंदिर अब अन्नदान और प्रसाद बांटना बंद कर चुका है। पुणे के श्री शिरडी साईं मंदिर में भी एलपीजी का स्टॉक 10 दिनों का बचा है। सोलर एनर्जी के सहारे यहां भंडारा चल रहा है। यहां भी मेन्यू बदले गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली इंजीनियरिंग कॉलेज में दावत-ए-इफ्तार का आयोजन

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर स्थित राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय में रमजान के पवित्र महीने के अवसर पर दावत-ए-इफ्तार का आयोजन किया गया। विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित इस महाविद्यालय के एकेडमिक बिल्डिंग परिसर में आयोजित यह कार्यक्रम आपसी भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीक बना। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनंत कुमार ने कहा कि रमजान का महीना प्रेम, भाईचारा, इंसानियत और परस्पर सम्मान का संदेश देता है। उन्होंने खुशी व्यक्त की कि बीटेक के छात्र-छात्राओं, प्रोफेसरों और कर्मचारियों ने मिलकर इस पवित्र आयोजन में भाग लिया। प्राचार्य ने ऐसे आयोजनों को एकता की भावना मजबूत करने वाला बताया। महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यक्रम में प्रो. दानिश अब्बास, डॉ. हसन इमाम, प्रो. इरफानूल हक, प्रो. अजीत दास, प्रो. अमन कुमार, डॉ. रविरंजन, डॉ. रजनीश कुमार, प्रो. अजीत कुमार, प्रो. सुमित लाल, प्रो. भूषण कुमार, प्रो. मुकेश कुमार सहित अन्य शिक्षक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। प्राचार्य के निर्देश पर प्रो. दानिश अब्बास के मार्गदर्शन में यह आयोजन संपन्न हुआ। मोहम्मद साजिद रजा, मोहम्मद महताब आलम और हातिम अख्तर ने कार्यक्रम समन्वयक की भूमिका निभाई। मोहम्मद वशीउज्जमान, फरीद खान, मोहम्मद अरमान, अजकर सिद्दीकी, फतेह आलम, मोहम्मद तौसीफ और मोहम्मद अदनान जैसे स्वयंसेवकों ने व्यवस्थाओं में सक्रिय सहयोग दिया। इफ्तार के समय, महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्य परिसर में एक साथ पंक्तिबद्ध होकर बैठे। खजूर, फल और विभिन्न पारंपरिक व्यंजनों से सजी इस दावत में सभी ने मिलकर भोजन किया। विशेष रूप से, हिंदू और मुस्लिम छात्रों ने एक ही पंक्ति में बैठकर इफ्तार किया और एक-दूसरे को रमजान की शुभकामनाएं दीं, जो सांप्रदायिक सौहार्द का उत्कृष्ट उदाहरण था।

मोहनपुर कन्या पाठशाला में ड्यूटी पर सोती मिलीं प्रिंसिपल

हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदूपुर प्रखंड स्थित मोहनपुर कन्या पाठशाला में प्रिंसिपल अनुपा सिंहा के रवैये से परेशान छात्र-छात्राओं और सैकड़ों ग्रामीणों ने हंगामा किया। शनिवार को प्रदर्शनकारियों ने प्रिंसिपल के तत्काल स्थानांतरण की मांग की है। ग्रामीणों ने प्रिंसिपल पर ड्यूटी के दौरान सोने और गलत आचरण का आरोप लगाया है। स्थानीय निवासी धर्मवीर कुमार ने कहा कि प्रिंसिपल स्कूल के पास से गुजरने वाले लोगों पर गलत आचरण का आरोप लगाकर उन्हें फंसाने की धमकी देती हैं। उन्होंने एक घटना का जिक्र किया, जिसमें प्रिंसिपल ने एक व्यक्ति की बाइक और मोबाइल पुलिस से पकड़वा दी थी। उस व्यक्ति का 'कसूर' केवल इतना था कि वह स्कूल के पास खड़े होकर अपने परिवार के सदस्य का इंतजार कर रहा था। ग्रामीणों ने प्रिंसिपल पर अन्य गंभीर आरोप भी लगाए। उनका कहना है कि जब कोई व्यक्ति हाई स्कूल के पास सैलून में दाढ़ी बनवाने आता है, तो प्रिंसिपल उस पर गलत निगाह से देखने का आरोप लगाकर उसका फोटो-वीडियो बना लेती हैं। इसके अलावा, ग्रामीणों ने विधानसभा चुनाव से पहले मेंटेनेंस के लिए आए ग्रांट में अनियमितता का आरोप लगाया। उनका कहना है कि बिना काम कराए ही महिलाओं से हस्ताक्षर करवा लिए गए थे और उन्हें 500 रुपए का भुगतान भी नहीं किया गया। ग्रामीणों ने इस 500 रुपए के स्रोत की जांच की मांग की है। आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रधान शिक्षिका अनुपा सिंहा को तत्काल स्थानांतरित करने और उनकी जगह किसी अन्य शिक्षक को नियुक्त करने की मांग की। उन्होंने प्रिंसिपल के आचरण के खिलाफ नारेबाजी भी की। घटना की सूचना मिलने पर वीरपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर स्थिति को शांत करने का प्रयास किया। प्रधान शिक्षिका अनुपा सिंहा पिछले छह महीने से स्कूल में कार्यरत हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि जब से उन्होंने कार्यभार संभाला है, तब से उनके आचरण से बच्चे और स्थानीय लोग परेशान हैं।

काठगोदाम-ठाकुरनगर के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल ने काठगोदाम और ठाकुरनगर के बीच एक विशेष ट्रेन (05030/05029) चलाने की घोषणा की है। यह ट्रेन लखनऊ, गोरखपुर, छपरा, हाजीपुर, शाहपुर पटोरी, बरौनी और कटिहार के रास्ते संचालित होगी। इसकी जानकारी पूर्व मध्य रेल हाजीपुर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी है। गाड़ी संख्या 05030 काठगोदाम-ठाकुरनगर स्पेशल 15 मार्च 2026, रविवार को काठगोदाम से सुबह 10:00 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन सोमवार को 02:05 बजे छपरा, 05:15 बजे बरौनी और 08:45 बजे कटिहार सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए रात 08:40 बजे ठाकुरनगर पहुंचेगी। वापसी में, गाड़ी संख्या 05029 ठाकुरनगर-काठगोदाम स्पेशल 18 मार्च 2026, बुधवार को ठाकुरनगर से सुबह 10:20 बजे रवाना होगी। यह गुरुवार को रात 10:20 बजे कटिहार, 01:15 बजे बरौनी एवं 05:15 बजे छपरा सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए रात 11:30 बजे काठगोदाम पहुंचेगी।

मुजफ्फरपुर में पैसों के विवाद में युवक की हत्या

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में अपराधियों ने एक युवक की हत्या कर दी। शव घर से एक किलोमीटर दूर गांव से बाहर खेत में मिला है। पैसों के विवाद में वारदात को अंजाम दिया गया है। मृतक की पहचान पुतुल उर्फ शशि भूषण कुमार(32) के तौर पर हुई है। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। डीएसपी टाउन-2 विनीता सिन्हा और सदर थानाध्यक्ष अश्मित कुमार पुलिसबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल और डॉग स्क्वॉड की टीम को भी बुलाया गया। घटना सदर थाना क्षेत्र के पताही (धोबी टोला) की है। पत्नी चंचल देवी ने आरोप लगाते हुए कहा कि पैसों के लेनदेन के विवाद में गला दबाकर हत्या की गई है। मेरे पति ने हर्ष से लगभग दो लाख रुपए का कर्ज लिया था। पैसों लौटाने का प्रेशर बना रहा था। लगातार जान से मारने की धमकी दे रहा था। शुक्रवार रात बीमार दादी को घर छोड़कर लौट रहा था। रात 9 बजे आखिरी बार फोन पर बात हुई थी। हर्ष ने ही साजिश रचकर मेरे पति की हत्या कर दी। पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि मृतक पुतुल शराब के अवैध कारोबार से जुड़ा था। सदर थाने में उसके खिलाफ मद्य निषेध अधिनियम के तहत कई मामले पहले से दर्ज है। हैरानी की बात यह है कि तलाशी के दौरान मृतक के पास से भी शराब बरामद की गई है। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। क्या यह हत्या केवल पैसे के लेनदेन का नतीजा है या शराब सिंडिकेट के आपसी रंजिश का परिणाम। पुतुल की मौत के बाद उसके तीन छोटे बच्चों और पत्नी पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बड़ा बेटा महज 6 साल का है, जबकि दो बेटियां 5 और 3 साल की हैं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष अश्मित कुमार ने बताया कि एफएसएल की टीम ने कई अहम सबूत जुटाए हैं और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

डंपर ने डायल 112 की गाड़ी को टक्कर मारी, 3 पुलिस वाले बचे

एजेंसी, पटना

- भागने के दौरान रैलिंग के टकराया हाईवा, धू-धू कर जली हाईवा

पटना में 3 पुलिस वाले जिंदा जलते-जलते बच गए। दरअसल धनरूआ थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक तेज रफ्तार हाईवा ने डायल 112 की गाड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद हाईवा का ड्राइवर भागने लगा। इस दौरान वो रैलिंग के टकरा गया। रैलिंग के टकराते ही गाड़ी में आग लग गई। हाईवा धू-धू कर जलने लगी। हाईवा में आग लगते ही ड्राइवर मौके से भाग निकला। हादसे में पुलिस की गाड़ी बुरी तरह डैमेज हो गई है। हादसे में डायल 112 की गाड़ी में मौजूद ASI मोहम्मद असलम कुरैशी, महिला कॉन्स्टेबल मुन्नी कुमारी, ड्राइवर दिलीप कुमार को हल्की चोट आई है। पुलिस ने क्लीनर को पकड़ा है। उसका नाम पंकज कुमार है। वो जहानाबाद का रहने वाला है। घटना भखरी पुल के पास हुई।

पुलिस वालों ने कहा थरथराने लगी थी: महिला कॉन्स्टेबल मोहिनी कुमारी ने बताया, मैं धनुरुआ थाने में पोस्टेड हूं। हमें छेड़खानी की सूचना मिली थी। हम मौके पर जा रहे थे। एक हाईवा ने पीछे से टक्कर मार दी। पैर में चोट आई है। डर के मारे मेरा शरीर थरथराने लगा।

टक्कर के बाद गाड़ी फेंका गई: ASI मोहम्मद असलम कुरैशी ने बताया, हम लोगों के बाद गांव से छेड़खानी का केस आया था। हम जैसे ही भखरी पुल के पास पहुंचे हाईवा ने टक्कर मार दी। गाड़ी डैमेज हुई है। हम लोगों को हल्की चोट आई है। टक्कर के बाद हमारी गाड़ी सड़क के एक साइड फेंका गई। क्लीनर को पकड़ा है।

हम लोगों की जान जा सकती थी: ड्राइवर दिलीप कुमार ने बताया कि अगर वो बीच से टक्कर मारता तो हाईवा हमारे ऊपर चढ़ जाती। हम तीनों की वहीं मौत हो सकती थी। हाईवा के क्लीनर ने बताया, मैं सो रहा था। पता नहीं कैसे गाड़ी को टक्कर लग गई। टक्कर के बाद ड्राइवर भाग गया। मेरी कोई गलती नहीं है।

2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बुझाई गई आग: घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हाईवा पूरी तरह से जलकर राख हो गई। घटना के वक्त मौके पर हल्का जाम लग गया।

हादसे की जांच जारी है: ASI मोहम्मद असलम कुरैशी ने बताया, घटना के बाद हमने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। यहां टीम भेजी गई। फायर ब्रिगेड पहुंची। इसके बाद आग बुझाई गई। कि हाईवा के मालिक की जानकारी जुटा रहे हैं।

नीतीश कुमार के राज्यसभा नामांकन पर पटना में पोस्टर वार

राजद ने बीजेपी को बताया अजगर, लिखा- कोई ऐसा सगा नहीं, जिसको भाजपा ने ठगा नहीं

एजेंसी, पटना

राजधानी पटना में एक बार फिर आरजेडी नेताओं की ओर से पार्टी कार्यालय के सामने एक पोस्टर लगाकर एनडीए पर निशाना साधा गया है। पोस्टर में मुख्यमंत्री की कुर्सी, राज्यसभा और अजगर की तस्वीर के माध्यम से भाजपा की राजनीति पर तंज कसा गया है। पोस्टर में बड़े अक्षरों में लिखा गया है कि, 'कोई ऐसा सगा नहीं, जिसको भाजपा ने ठगा नहीं'

बीजेपी को अजगर के तौर पर दिखाया: इस पोस्टर में एक बड़े अजगर की तस्वीर बनाई गई है, जिसे प्रतीकात्मक रूप से भाजपा के रूप में दिखाने की कोशिश की गई है। अजगर के सामने मुख्यमंत्री की कुर्सी दिखाई गई है। वहीं, तीर के निशान के साथ आगे राज्यसभा की ओर इशारा किया गया है। इस संदेश के जरिए आरजेडी ने भाजपा पर अपने सहयोगियों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया है। आरजेडी नेताओं का कहना है कि यह पोस्टर भाजपा की राजनीतिक कार्यशैली को दिखाने के लिए लगाया गया है। आरजेडी का कहना है कि, भाजपा अपने राजनीतिक हितों के अनुसार सहयोगियों का इस्तेमाल करती है और समय आने पर उन्हें किनारे कर देती है।' इसी संदर्भ में पोस्टर लगाकर भाजपा पर निशाना साधा गया है। राजद प्रदेश प्रवक्ता डॉ एजाज अहमद ने कहा, 'बीजेपी की नीति स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। इनकी सत्ता हड़पो, सत्ता का मलाई खाने की नीति है।'

राज्यसभा नामांकन के बाद बढ़ी सियासत: दरअसल, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल कर दिया है। उनके इस कदम के बाद बिहार की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। विपक्षी दल इसे लेकर लगातार सवाल उठा रहे हैं। इसे राजनीतिक रणनीति से जोड़कर देख रहे हैं।

पटना वीमेंस कॉलेज स्टूडेंट काउंसिल इलेक्शन, 18 छात्राओं की दावेदारी

एजेंसी, पटना

पटना वीमेंस कॉलेज में 16 मार्च को स्टूडेंट काउंसिल इलेक्शन होगा। इसके लिए 18 छात्राओं ने विभिन्न पदों के लिए नामांकन किया है। आज सभी उम्मीदवार छात्राओं ने कैंपस में अपने एजेंडे का प्रचार-प्रसार किया। 5 पदों के लिए चुनाव होना है। इलेक्शन की जिम्मेदारी कॉलेज के पॉलिटिकल साइंस विभाग को दी गई है। जिसकी नोडल ऑफिसर डॉ. विनिता प्रियदर्शी हैं। 15 मार्च को ब्रेक रहेगा। वहीं, 16 मार्च को इलेक्शन होगा। इसी दिन परिणाम की घोषणा की जाएगी।

इन पांच मुख्य पदों के लिए हो रहा है मुकाबला: कॉलेज में मुख्य रूप से 5 पद प्रीज्वाइंटमियर, जनरल सेक्रेटरी, कल्चरल सेक्रेटरी, स्पोर्ट्स सेक्रेटरी और एनवायर्नमेंट एंड डिसिप्लिन सेक्रेटरी के लिए चुनाव हो रहा है। नियम के अनुसार, इन पदों पर दूसरे स्थान (सेकंड हाईएस्ट वोट) पर रहने वाली छात्राओं को वाइस प्रीमियर, ज्वाइंट जनरल सेक्रेटरी, जॉइंट कल्चरल सेक्रेटरी, ज्वाइंट स्पोर्ट्स सेक्रेटरी और ज्वाइंट इन्वायरमेंट एंड डिसिप्लिन सेक्रेटरी के रूप में चयनित किया जाता है। इसके अतिरिक्त प्रिंसिपल नॉमिनी के तौर पर भी 2 छात्राओं का चयन होता है।

पटना-किशनगंज में गैस एजेंसी के सर्वर डाउन

एजेंसी, पटना

अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में LPG की किल्लत हो गई है। बिहार में भी इसका असर साफ दिखाई दे रहा है। कई गैस एजेंसियों के बाहर लोगों की लंबी लाइन लग रही है। लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। पटना, किशनगंज में गैस एजेंसी के बाहर 500m की लंबी लाइन लगी है। वहीं, गैस एजेंसी के सर्वर डाउन होने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। लोगों का कहना है, '2 दिन से नंबर लगाने की कोशिश कर रहे, लेकिन सर्वर डाउन बता रहा।'

मोतिहारी में प्रशासन ने एक किराना दुकानदार को अवैध तरीके से सिलेंडर की रिफिलिंग करने के मामले में गिरफ्तार किया है। दुकान से 3 खाली सिलेंडर, 1 भरा सिलेंडर, 4 नोजल और 11 छोटे रेगुलेटर जब्त किए गए हैं। वहीं खगड़िया में पुलिस की निगरानी गैस सिलेंडर बांटे जा रहे हैं। जमुई में कतार में खड़ी महिलाओं का कहना है, 'बहुत परेशानी हो रही है। 8-8 घंटे लाइन में लगने के बाद भी गैस नहीं मिल रहा। खाना नहीं बना पा रहे हैं।'

दरभंगा में सुबह 6 बजे से लोग गैस एजेंसी के बाहर गैस के लिए लाइन में लगे हैं। हालात ऐसे बन गए हैं कि उपभोक्ताओं के बीच मारामारी की स्थिति बन गई। सिलेंडर की कमी के चलते गैस एजेंसी खुलने से पहले भीड़ जुट गई है। इधर, सिलेंडर की कमी का असर अब बाजार पर भी दिखने लगा है। गैस उपलब्ध नहीं होने की वजह से लकड़ी और कोयले की मांग बढ़ गई है, जिससे इनके दाम भी तेजी से बढ़े हैं। साथ ही इंडक्शन के दाम भी करीब पांच गुना तक बढ़ गए हैं।

लोग बोले- एक मात्र अब इंडेक्शन ही ऑप्शन बचा है: पटना में गैस संकट के बीच लोग अब इंडक्शन चूल्हे की तरफ तेजी से रुख कर रहे हैं। दीघा के रहने वाले भारत भूषण इंडक्शन चूल्हा खरीदने दुकान पहुंचे। उन्होंने बताया, 'गैस सिलेंडर की समस्या काफी बढ़ गई है। गैस के लिए नंबर लगाने के बाद भी समय पर सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो रहा है। ऐसे में रोजमर्रा का खाना बनाना मुश्किल हो गया है।' भारत भूषण ने कहा कि इन हालात में इंडक्शन चूल्हा ही एकमात्र विकल्प बचा है, इसलिए मजबूरी में उन्हें इसे खरीदना पड़ रहा है। दुकानदारों का भी कहना है कि गैस की कमी के कारण बड़ी संख्या में लोग अब इंडक्शन चूल्हे खरीद रहे हैं।

उपेंद्र कुशवाहा के आवास पर आज एनडीए विधायकों की बैठक, राज्यसभा चुनाव को लेकर बनेगी रणनीति

एजेंसी, पटना

- संजय झा बोले- हमें विपक्ष के कुछ लोग करेंगे सहयोग

बिहार में राज्यसभा की पांच सीटों के लिए होने वाले चुनाव ने राजनीतिक माहौल को गरमा दिया है। चार सीटों की तस्वीर लगभग साफ मानी जा रही है, लेकिन पांचवीं सीट को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और महागठबंधन के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है। राज्यसभा चुनाव की रणनीति को लेकर आज उपेंद्र कुशवाहा के आवास पर एनडीए विधायक दल की बड़ी बैठक बुलाई गई है। गठबंधन के सभी विधायकों को 16 मार्च तक पटना में ही रहने का निर्देश दिया गया है। एनडीए की ओर से यह चुनाव उपेंद्र कुशवाहा के लिए राजनीतिक प्रतिष्ठा की लड़ाई माना जा रहा है। वहीं राष्ट्रीय जनता दल ने लगभग 243 करोड़ रुपये की संपत्ति वाले उद्योगपति नेता अमरेंद्र धारी सिंह को मैदान में उतारकर मुकाबले को और दिलचस्प बना दिया है।

सम्राट चौधरी और संजय झा की मुलाकात: इसी बीच आज उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात राज्यसभा चुनाव को लेकर अहम मानी जा रही है, जिसमें मौजूदा राजनीतिक हालात और चुनावी रणनीति पर चर्चा हुई। बैठक के बाद संजय झा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि, 'बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इसका फैसला समय आने पर बैठक में लिया जाएगा।' संजय झा ने विश्वास जताया कि, राज्यसभा चुनाव में एनडीए की जीत तय है और एनडीए सभी पांचों सीटों पर बड़े मार्जिन से जीत हासिल करेगा। संजय झा ने आगे कहा कि, इस चुनाव में विपक्ष के कुछ लोग भी उन्हें सहयोग करेंगे। संजय झा ने तंज कसते हुए कहा कि, जो लोग पहले मुख्यमंत्री बनने का दावा कर रहे थे, अब उनका क्या हुआ। एआईएमआईएम भी उनके साथ नहीं थी।' उन्हें भरोसा है कि विपक्ष के कुछ विधायक एनडीए के पक्ष में वोट करेंगे।

लोजपा (आर) विधायकों की एक अहम बैठक: लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश कार्यालय में भी विधायकों की एक अहम बैठक बुलाई गई है। यह बैठक पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में आयोजित की जा रही है, जिसमें सभी विधायकों को शामिल होने के लिए कहा गया है। बैठक में राज्यसभा चुनाव को लेकर रणनीति और मतदान प्रक्रिया पर चर्चा होने की संभावना है।

सोशल मीडिया पर गैस एजेंसियों की मॉनिटरिंग

एजेंसी, पटना

गैस क्राइसिस को लेकर बिहार पुलिस मुख्यालय स्तर से भी गाइडलाइन जारी की गई है। इसके मुताबिक, जमाखोरी और कालाबाजारी करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने के निर्देश दिए गए हैं। व्यवस्था बनाए रखने के लिए लोकल स्तर पर गैस एजेंसी के बाहर पुलिस और पदाधिकारी अपने अपने इलाके की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

फर्जी गैस एजेंसियों के नाम से मैसेज सर्कुलेट: इसी बीच सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ फर्जी गैस एजेंसियों के नाम से मैसेज सर्कुलेट होते देखे गए हैं। जिनके पास कोई डॉक्यूमेंट नहीं है। बावजूद इसके विकास, सुरेश, राज इत्यादि के नाम से लोगों से गैस सिलेंडर के नाम पर ठगी के फिराक में हैं।

ऐसे लोगों के खिलाफ साइबर पुलिस सख्ती बरत रही है।

फेसबुक, यूट्यूब समेत सोशल मीडिया की मॉनिटरिंग: पटना साइबर थाने के SHO नीतीश चंद्र धारिया ने बताया कि, 'सोशल मीडिया की मॉनिटरिंग की जा रही है। खासकर के फेसबुक, इंस्टाग्राम पर फर्जी ऐड निकालकर गैस सिलेंडर मुहैया कराने वालों पर नजर रख रहे हैं। गैस सिलेंडर मुहैया कराने के नाम पर एक भी फर्जी ऐड अगर पाया गया तो उस यूआरएल के खिलाफ साइबर थाने की पुलिस अपने स्टेटमेंट पर केस रजिस्टर्ड कर कार्रवाई करेगी।'

अवैध मलबा फेंकने पर लगेगा 1500 रूपये का जुर्माना

एजेंसी, पटना

- पटना में निर्माण सामग्री के लिए हर अंचल में बनाया डंपिंग पॉइंट, घर पहुंच सुविधा भी

पटना नगर निगम ने प्रदूषण के रोकथाम के लिए एक विकल्प निकाला है। अब नागरिकों को निर्माण और विध्वंस सामग्री (C&D वेस्ट) के निष्पादन के लिए प्वाइंट दिया जा रहा है। इसके साथ ही पटना नगर निगम द्वारा इस निर्माण सामग्री के कचरे को कलेक्ट किया जाएगा। इस सुविधा के लिए आम नागरिकों को प्रति फेरा 600 रूपये शुल्क देना होगा। इसके लिए पटना नगर निगम के हेल्पलाइन नंबर 155304 और वाट्सअप चैट बोट नंबर 9264447449 पर संपर्क कर सकते है।

अवैध मलबा फेंकने पर 1500 रूपये का लगेगा जुर्माना: इसके साथ ही पटना नगर निगम द्वारा नियम का उल्लंघन करने वालों को 1500 रूपये जुर्माना लिया जाएगा। कहीं भी मलबा नजर आने पर न सिर्फ उसे जब्त किया जाएगा बल्कि जिम्मेदार को जुर्माना भी देना होगा। निगम ने 696 निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान धूल नियंत्रण मानकों का पालन नहीं करने वाले 49 स्थलों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उन्हें बंद किया गया और जुर्माना लगाया गया।

इस कार्रवाई के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले निर्माण स्थलों से कुल 1,54,100 रुपये की जुर्माना राशि वसूली गई। पटना नगर निगम द्वारा प्रदूषण के रोकथाम के लिए रोड की धुलाई, पानी का छिड़काव सहित अन्य सफाई के कार्य किए जा रहे हैं। सार्वजनिक जगहों पर स्वीपिंग मशीन, एंटी स्मॉग गन और वाटर स्प्रिंकलर से दो पाली में सफाई और धुलाई की जा रही है।

जेपी गंगा पथ पर लगेगी 50 प्री-फैब्रिकेटेड दुकानें

एजेंसी, पटना

- दो मॉडल हुआ फाइनल, 7.18 करोड़ रुपये होंगे खर्च, दो महीने में होगा तैयार

पटना के जेपी गंगा पथ के किनारे जल्द ही आधुनिक डिजाइन की प्री फैब्रिकेटेड दुकानें दिखाई देंगी। गंगा पथ पर लगे 4 प्रस्तावित डिजाइनों में से 2 डिजाइनों को फाइनल कर लिया गया है। पटना स्मार्ट सिटी के नई परियोजना के तहत अब 50 दुकानों का निर्माण किया जाएगा। इन्हें दो महीने के अंदर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। दुकानों के निर्माण और स्थापना के लिए एजेंसी चयन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। नई दुकानों को तैयार करने में करीब 7.18 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

50 प्रीफैब दुकानें बनाई जाएंगी: परियोजना के मुताबिक, कुल 50 प्रीफैब दुकानें बनाई जाएंगी। इनमें से 45 दुकानें 16 फुट लंबी, 10 फुट चौड़ी और 9 फुट ऊंची होंगी। इसके अलावा पांच दुकानें 20 फुट लंबी, 10 फुट चौड़ी और 9 फुट ऊंची बनाई जाएंगी। सभी दुकानों का डिजाइन एक समान आधुनिक लुक में होगा, ताकि पूरा क्षेत्र व्यवस्थित और आकर्षक दिखाई दे। प्रीफैब्रिकेटेड तकनीक से बनने के कारण दुकानों को कम समय में तैयार कर स्थापित किया जा सकेगा।

दो महीने के भीतर तैयार करने का लक्ष्य: पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक यशपाल मीणा ने बताया कि, 'एजेंसी चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है और जल्द ही कार्यादेश जारी किया जाएगा। नई दुकानों को दो महीने के भीतर तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। इसे आधुनिक तकनीक से तैयार की जाएंगी, ताकि गंगा पथ पर सुव्यवस्थित और सुंदर व्यावसायिक क्षेत्र विकसित हो सके। तीन साल तक नयी दुकानों के रखरखाव की जिम्मेदारी एजेंसी की होगी।'

10-10 के पांच समूहों में लगाई जाएगी दुकानें: जेपी गंगा पथ पर दुकानों को 10-10 के पांच समूहों में लगाया जाएगा। हर समूह में 16 फुट आकार की 9 दुकानें और 20 फुट आकार की एक दुकान होगी। इस तरह का लेआउट रखने से जगह का बेहतर उपयोग होगा और देखने में भी क्षेत्र संतुलित लगेगा। दुकानों में बिजली, ड्रेनेज, प्लंबिंग, एलइडी लाइटिंग, ऊर्जा बचत वाले उपकरण और ब्रांडिंग की सुविधा रहेगी। सुरक्षा और गुणवत्ता मानकों का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा।

जीविका दीदीयों को सौंपी जाएगी पुरानी प्री-फैब्रिकेटेड दुकानें: जेपी गंगा पथ से हटाई गई प्री-फैब्रिकेटेड दुकानें अब जीविका को सौंप दी जाएगी। इन दुकानों का उपयोग ग्रामीण महिलाओं के लिए किया जाएगा, ताकि वे इससे अपने व्यवसाय को शुरू कर सकें। जीविका दीदी इन दुकानों की तय राशि का भुगतान अगले पांच वर्षों में किस्तों में करेगी। इससे दुकानें बर्बाद होने से भी बच जाएगी। जीविका ने जनवरी 2026 में स्मार्टसिटी को करीब 200 प्री-फैब्रिकेटेड दुकानों के उन्हें देने की मांग की थी। गंगा पथ पर करीब 15.45 करोड़ रुपये से 500 दुकानें वेंडिंग जोन विकसित करने के लिए लगायी जा रही थी।

संक्षिप्त समाचार

जाली नोट के साथ दो युवक गिरफ्तार, कोटवा पुलिस की कार्रवाई

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के कोटवा थाना क्षेत्र में पुलिस ने जाली नोट के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई कोटवा ओवरब्रिज के पास टी-मैक्स और बंगरी इलाके के समीप की गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से 100 रुपये के छह जाली नोट बरामद किए हैं। गिरफ्तार युवकों की पहचान कोटवा थाना क्षेत्र के निवासी रुपनारायण के पुत्र धीरज कुमार तथा ओमप्रकाश पाण्डेय के पुत्र अभिनव कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद टीम ने इलाके में छापेमारी की, जहां से दोनों युवकों को पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से जाली नोट बरामद हुए। कोटवा थानाध्यक्ष करन कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों युवकों को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि बरामद नोटों की जांच की जा रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि जाली नोट कहां से लाए गए तथा इस मामले में कोई बड़ा गिरोह तो सक्रिय नहीं है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उनसे पूछताछ करते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बाजार समिति में अवैध कारोबार पर प्रशासन की सख्ती, 25 बोरी प्याज जब्त

बीएनएम @ मोतिहारी। कृषि उत्पादन बाजार समिति (वि.) मोतिहारी में शनिवार को प्रशासन ने औचक निरीक्षण कर अवैध कारोबार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। निरीक्षण अनुमंडल पदाधिकारी-सह-विशेष पदाधिकारी निशांत सिहारा तथा सहायक निदेशक (शस्य)-सह-जिला कृषि विपणन पदाधिकारी-सह-विशेष पदाधिकारी शशि कुमार गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। निरीक्षण के दौरान बाजार समिति के मुख्य द्वार पर एक ट्रक खड़ा कर व्यापार किए जाने का मामला सामने आया। अधिकारियों ने तत्काल ट्रक को हटवाते हुए संबंधित व्यक्ति को भविष्य में इस तरह की गतिविधि नहीं करने की सख्त चेतावनी दी। वहीं धर्म कांटा के समीप एक व्यापारी को अनधिकृत रूप से व्यवसाय करते पाया गया, जिसे वहां से तत्काल कारोबार बंद करने का निर्देश दिया गया। जांच के क्रम में गैर-लाइसेंसधारी व्यापारी विजय राय अपने प्रतिष्ठान पर मौजूद नहीं मिले। उनके द्वारा रखी गई 25 बोरी प्याज को नियमानुसार जब्त कर लिया गया। अधिकारियों ने बाजार समिति के सभी कारोबारियों को निर्देश दिया कि वे अपने प्रतिष्ठान में वैध लाइसेंस अवश्य रखें। साथ ही चेतावनी दी कि परिसर में अवैध रूप से व्यापार करते पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अभिषेक कुमार पकड़ीदयाल और अमरजीत कुमार घोड़ासहन के थानाध्यक्ष नियुक्त

बीएनएम @ मोतिहारी। बेहतर पुलिसिंग और प्रशासनिक कार्यकुशलता को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने जिले में दो थानाध्यक्षों का पदस्थापन किया है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई है। जारी आदेश के अनुसार पुलिस केंद्र मोतिहारी में पदस्थापित पु०नि०/05 अभिषेक कुमार (2009 बैच) को पकड़ीदयाल थाना का नया थानाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं प्रभारी जिला आसूचना इकाई मोतिहारी में कार्यरत पु०अ०नि०/183 अमरजीत कुमार (2019 बैच) को घोड़ासहन थाना का थानाध्यक्ष पदस्थापित किया गया है। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने बताया कि बेहतर पुलिसिंग, प्रशासनिक सुगमता तथा कार्यकुशलता को ध्यान में रखते हुए यह पदस्थापन किया गया है। उन्होंने कहा कि थाना स्तर पर कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। जारी आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि दोनों पदाधिकारियों की तैनाती पुलिस मुख्यालय, पटना के निर्धारित मानकों और प्रावधानों के अनुरूप की गई है, ताकि जिले में पुलिस व्यवस्था को और मजबूत बनाया जा सके।

आदापुर में नशा कारोबार पर पुलिस की कार्रवाई, 300 ग्राम गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। आदापुर थाना क्षेत्र में सूखा नशा के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने छापेमारी कर एक युवक को गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। पुलिस के अनुसार आदापुर थाना क्षेत्र के बरवा गांव में एक दुकान में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान ओम प्रकाश साह, पिता–रामेश्वर साह, निवासी बरवा, थाना आदापुर को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से कुल 300 ग्राम गांजा बरामद हुआ। गांजा को 12 पुड़िया में रखा गया था। इसके साथ ही पुलिस ने मौके से एक तराजू तथा 50 ग्राम, 20 ग्राम और 10 ग्राम के बाट भी बरामद किए हैं, जिनका उपयोग नशीले पदार्थ की बिक्री में किया जा रहा था। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में सूखा नशा के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

तस्कर–अफसर गठजोड़? सीमा सुरक्षा पर सवाल

सागर सूरज

मोतिहारी। भारत–नेपाल सीमा से सटा पूर्वी चंपारण जिला लंबे समय से चरस, हेरोइन, गांजा और हाशिश जैसे खतरनाक मादक पदार्थों की तस्करी का अहम रास्ता माना जाता रहा है। समय–समय पर पुलिस की कार्रवाई में बड़ी मात्रा में नशे की खेप बरामद होती है, लेकिन कमजोर अनुसंधान और कथित मिलीभगत के कारण कई मामलों में तस्कर अदालत से राहत पा जाते हैं। ऐसे घटनाक्रम न केवल पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हैं, बल्कि सीमा क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर हमला करते नजर आते हैं।

ताजा मामला सुगौली थाना क्षेत्र का है, जहां 21 मार्च को टोल प्लाजा और बंगरी गांव के पास से करीब 80 किलो चरस और गांजा बरामद किया गया था। उस समय तत्कालीन एसपी कांतिश मिश्रा ने तस्करों के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसे बड़ी सफलता बताया था। लेकिन अदालत में सुनवाई के दौरान अनुसंधान में गंभीर खामियां सामने आने के बाद तीनों आरोपियों को रिहा कर दिया गया।

बताया जाता है कि सुगौली के तत्कालीन थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार ने बरामदगी के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की थी और मामले की जांच पुलिस अधिकारी शंभु साह को सौंपी गई थी। यहीं से लापरवाही या साजिश के आरोपों की शुरुआत होती है। पुलिस ने 90 दिन से पहले चार्जशीट दाखिल तो कर दी, लेकिन जब्ती सूची तैयार करने वाले मजिस्ट्रेट का बयान केस डायरी में दर्ज नहीं किया गया। इसके अलावा दो अलग-अलग जगहों से बरामदगी होने के बावजूद सिर्फ एक जगह का सैंपल ही जांच के लिए भेजा गया। इन कमियों के आधार पर अदालत ने आरोपियों को "बेनिफिट ऑफ डाउट" देते हुए रिहा कर दिया।

सुगौली में इससे पहले भी एक चौंकाने वाला मामला सामने आ चुका है, जब रेलवे स्टेशन से बरामद करीब 24 किलो चरस अदालत पहुंचने तक ईंट में तब्दील पाया गया था। उस प्रकरण में जब्ती सूची बनाने वाले तत्कालीन सीओ कुंदन कुमार समेत जीआरपी और आरपीएफ के कई अधिकारियों पर आर्थिक अपराध का मामला दर्ज किया गया था।

इसी तरह रक्सौल के एक मामले में 11 किलो चरस बरामदगी के बावजूद साक्ष्य के अभाव में उच्च न्यायालय से आरोपियों को जमानत मिल गई थी। उस समय पुलिस पर निर्दोष लोगों को सड़क से उठाकर फंसाने तक के आरोप लगे थे।

लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या सीमा क्षेत्र में तस्करों को वर्दी की छत्रछाया मिल रही है। हालांकि, एसपी स्वर्ण प्रभात ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की है।

टीम एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट देगी, जिसके बाद यह साफ हो सकेगा कि 80 किलो चरस बरामदगी मामले में हुई चूक महज लापरवाही थी या इसके पीछे कोई बड़ा गठजोड़ काम कर रहा था।

ईद एवं चैती छठ को लेकर मोतिहारी नगर निगम सतर्क, सफाई व स्ट्रीट लाइट व्यवस्था पर विशेष जोर

बीएनएम @ मोतिहारी

नगर निगम मोतिहारी कार्यालय में महापौर प्रीति कुमारी की अध्यक्षता में सशक्त स्थायी समिति की बैठक सम्पन्न हुई। उक्त बैठक में नगर निगम मोतिहारी क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न विकास एवं जनसुविधा से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर आगामी ईद एवं चैती छठ पर्व को ध्यान में रखते हुए शहर के ईदगाह, सभी मस्जिदों तथा चिन्हित छठ घाटों के आसपास विशेष साफ-सफाई अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। साथ ही गली-मुहल्लों एवं मुख्य सड़कों की सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं व्यवस्थित बनाने को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि प्रथम चरण में नगर निगम के उत्क्रमित वार्डों में स्ट्रीट लाइट का अधिष्ठापन कराया जा चुका है। पिछली बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में अब शेष पुराने वार्डों में भी स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इस कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने के लिए संबंधित एजेंसी को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त शहर के विभिन्न क्षेत्रों—जैसे बंजरिया गुमटी रैक प्वाइंट रोड, गोल्डी प्रेस रोड, अमर छतौनी, पाण्डेय टोला रोड, बंजारिया पोखरा रोड तथा चांदमारी-चिलवनियां रोड आदि—में जलजमाव की समस्या को देखते हुए पानी की समुचित निकासी हेतु मुख्य नाला एवं सड़क निर्माण से संबंधित योजनाओं का चयन किया गया है। विभागीय प्रक्रिया पूर्ण होते ही नाला निर्माण कार्य प्रारंभ करा दिया जाएगा, जिससे इन क्षेत्रों में जलजमाव की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। इस बैठक में नगर आयुक्त आशीष कुमार, उप महापौर लालबाबू प्रसाद सहित निगम पार्षद सह सशक्त स्थायी समिति सदस्य विभा देवी, रिंकू रानी, कल्पना रानी दास, राधना कुमारी, कान्ति कुँवर एवं निगम के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मोतिहारी में वर्ष की पहली राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित, हजारों मामलों का हुआ निपटारा

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण के तत्वावधान में वर्ष 2026 की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन पटना उच्च न्यायालय के निरीक्षी न्यायाधीश राजेश कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अभिषेक कुमार दास, परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश इसरार अहमद, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव नितिन त्रिपाठी, जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात, जिला अधिवक्ता संघ के महासचिव राजीव कुमार द्विवेदी उर्फ पप्पू दुबे तथा अध्यक्ष शेषनाथ कुंवर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एसीजेएम श्वेता सिंह ने किया। अपने संबोधन में निरीक्षी न्यायाधीश राजेश कुमार वर्मा ने कहा कि समाज में विवाद स्वाभाविक हैं, लेकिन उनके त्वरित और सरल समाधान के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत एक प्रभावी मंच है। उन्होंने कहा कि पक्षकार आपसी सहमति से यहां अपने विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान कर सकते हैं। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अभिषेक कुमार दास ने कहा कि लोक अदालत में किसी की हार या जीत नहीं होती, बल्कि दोनों पक्षों की सहमति से विवाद का समाधान होता है। इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण के तहत सात महिलाओं को सम्मानित किया गया। वहीं अनुसूचित जाति कल्याण योजना के तहत पांच लाभुकों को विक्टिम कम्पनसेशन के रूप में चेक प्रदान किया गया तथा पांच दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल वितरित की गई। राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए कुल 27 बेंचों का गठन किया गया था, जिनमें सदर न्यायालय में 22, अरेराज में एक तथा ढाका में चार बेंच शामिल थे। लोक अदालत में एक हजार न्यायालयीय वादों और दो हजार बैंक से संबंधित मामलों का समझौते के आधार पर निष्पादन किया गया। माप-तौल विभाग से 92 हजार रुपये की वसूली की गई, जबकि बैंकों के माध्यम से लगभग सात करोड़ रुपये का समझौता कराया गया। उल्लेखनीय है कि अरेराज न्यायालय में 30 वर्ष पुराने मामलों का भी सफलतापूर्वक निपटारा किया गया। कार्यक्रम में कई न्यायिक पदाधिकारी एवं अधिवक्ता उपस्थित थे।

25 से 27 मार्च तक जसौली पट्टी में चंपारण सत्याग्रह महोत्सव का होगा आयोजन

» 20 से अधिक विभागों के लगेंगे स्टॉल

बीएनएम @ मोतिहारी

कोटवा प्रखंड के जसौली पट्टी स्थित स्वतंत्रता सेनानी बाबू लोमराज सिंह की जन्मभूमि पर आगामी 25, 26 और 27 मार्च को चंपारण सत्याग्रह महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। शनिवार को प्रभारी पदाधिकारी जिला सामान्य शाखा निधि कुमारी की अध्यक्षता में तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक में निधि कुमारी ने बताया कि बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग तथा अनुमंडल प्रशासन सदर के नेतृत्व में तीन दिवसीय महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे, इसके लिए गांव-गांव में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। बैठक की शुरुआत सामाजिक कार्यकर्ता विनय कुमार द्वारा अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। उन्होंने जसौली पट्टी गांव के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि महात्मा गांधी के चंपारण आगमन के बाद उनकी पहली यात्रा किसान नेता बाबू लोमराज सिंह के गांव जसौली पट्टी में हुई थी। उसी ऐतिहासिक स्मृति को जीवित रखने के उद्देश्य से वर्ष 2000 से यहां चंपारण सत्याग्रह महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। प्रखंड विकास पदाधिकारी चिरंजीव पाण्डेय ने कहा कि महोत्सव को आकर्षक बनाने और आयोजन स्थल पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा की गई है। महोत्सव के दौरान तीनों दिनों तक स्वास्थ्य, परिवहन, श्रम, शिक्षा, जीविका, बाल विकास परियोजना, उत्पाद, डाक, पशुपालन, उद्योग, अग्निशमन, आपूर्ति, बिजली, मत्स्य, प्रखंड एवं राजस्व, कृषि तथा समाज कल्याण विभाग समेत 20 से अधिक विभागों के स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों के माध्यम से आम लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी और लाभ भी उपलब्ध कराया जाएगा। बैठक में प्रभारी पदाधिकारी कला संस्कृति फहद सिद्दिकी, परिवहन विभाग के संजय कुमार, डॉ. गौरव, थानाध्यक्ष करण सिंह, प्रखंड कृषि पदाधिकारी विकास कुमार, संजय पाण्डेय, अरुण पाण्डेय, मुखिया प्रतिनिधि संतोष सिंह, पूर्व मुखिया कमलेश कुमार सिंह, पैक्स अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, रमाकांत पाण्डेय, रामश्रेष्ठ बैठा, अशोक कुमार सिंह, मनीष कुमार सहित कई पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने महोत्सव को सफल बनाने के लिए अपने सुझाव दिए और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

भवानीपुर जीरात में सुरेंद्र चौधरी सेवा ट्रस्ट की इफ्तार पार्टी आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। शहर के भवानीपुर जीरात स्थित सुरेंद्र चौधरी सेवा ट्रस्ट के आवासीय कार्यालय परिसर में ट्रस्ट की ओर से इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एक साथ बैठकर रोजा इफ्तार किया और आपसी भाईचारे व सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया। कार्यक्रम का आयोजन ट्रस्ट के संस्थापक सुरेंद्र चौधरी, सचिव पवन पुनीत चौधरी, कोषाध्यक्ष मेघा चौधरी तथा अन्य सदस्यों के सहयोग से किया गया। रमजान के पवित्र महीने में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और सभी ने देश में अमन-चैन, शांति और सामाजिक एकता के लिए दुआ मांगी। इस अवसर पर ट्रस्ट के संस्थापक सुरेंद्र चौधरी ने कहा कि रमजान का महीना इंसानियत, संयम और सहयोग का संदेश देता है। इसी भावना के साथ इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया है, ताकि समाज में एकता और सद्भाव का माहौल मजबूत हो सके। वहीं ट्रस्ट के सचिव पवन पुनीत चौधरी ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी मेल-जोल को बढ़ाते हैं और विभिन्न समुदायों के बीच विश्वास को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के दौरान सभी लोगों ने एक साथ इफ्तार किया और एक-दूसरे को रमजान की मुबारकबाद दी। शहर के कई गणमान्य लोग भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

राज्यस्तरीय अंडर-23 क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए पूर्वी चंपारण की टीम वैशाली हुए रवाना

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंडर-23 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पूर्वी चंपारण की 18 सदस्यीय टीम कप्तान विवेक कुमार के नेतृत्व में वैशाली के लिए रवाना हो गई। टीम के खिलाड़ियों में प्रतियोगिता को लेकर उत्साह देखा जा रहा है और सभी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। टीम में जिले के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को स्थान दिया गया है। चयनित खिलाड़ियों में विवेक कुमार (कप्तान), यूसुफ नदीम, एजाज अंसारी, अमित कुमार (विकेटकीपर), आशुतोष पांडेय, मणिकांत, शिवम कुमार सिंह, वरुण कुमार, आयुष कुमार सिंह, नौनीत कुमार, प्रिंस कुमार, ईशान आर्यन, करण कुमार, हिमांशु कुमार, एमडी एज़ाज़, हर्षित राज, सरफराज और रायियन आलम शामिल हैं। टीम के साथ कोच के रूप में अभिषेक कुमार 'छोटू' भी वैशाली के लिए रवाना हुए हैं। वरीय खिलाड़ियों ने टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि टीम में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल हैं और उन्हें उम्मीद है कि सभी खिलाड़ी मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। जिला के क्रिकेट प्रेमियों को भी टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। टीम के वैशाली रवाना होने के दौरान खिलाड़ियों में उत्साह का माहौल देखा गया और सभी ने प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करने का संकल्प लिया।

एमजीसीयू में "राष्ट्रीय सुरक्षा, सुशासन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता" पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

बीएनएम @ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) के राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से "भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और सुशासन : कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मानवीय दृष्टिकोण" विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शनिवार को शुभारंभ हुआ। इस सम्मेलन का उद्देश्य तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा, सुशासन और मानवीय मूल्यों की भूमिका पर गंभीर चर्चा करना है। सम्मेलन में देश-विदेश के शिक्षाविद, शोधकर्ता और नीति विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम की शुरुआत सामाजिक संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुजीत कुमार चौधरी के स्वागत उद्बोधन से हुई। मुख्य वक्ता इंडिया फाउंडेशन के रिसर्च फेलो डॉ. पवन चौरसिया ने कहा कि वर्तमान समय में दुनिया तेजी से तकनीकी परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग प्रशासन, सुरक्षा और अर्थव्यवस्था सहित अनेक क्षेत्रों में बढ़ रहा है। ऐसे में तकनीकी विकास के साथ मानवता, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी समान महत्व देना आवश्यक है। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन डॉ. रजनीश कुमार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के व्यापक स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सैन्य शक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें मानवीय विवेक, रणनीतिक सोच और तकनीकी दक्षता की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वहीं जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो. संजय कुमार पांडेय ने भारत की प्राचीन शासन परंपराओं और सुशासन की अवधारणा पर चर्चा करते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक के साथ सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों का समन्वय भी आवश्यक है। नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय के प्रो. डी. पी. पंडित ने भारत-नेपाल संबंधों, हिमालयी क्षेत्र की पर्यावरणीय चुनौतियों और वैश्विक संघर्षों पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। सम्मेलन के प्रथम दिन विभिन्न शैक्षणिक सत्रों में राष्ट्रीय सुरक्षा, सुशासन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरराष्ट्रीय राजनीति और साइबर सुरक्षा जैसे विषयों पर शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. ओम प्रकाश गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर चीफ प्रॉक्टर प्रो. प्रसून दत्त सहित कई प्राध्यापक और शोधार्थी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

नशा के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई, 10.90 ग्राम गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। सूखा नशा के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कल्याणपुर थाना पुलिस ने एक युवक को गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 14 मार्च 2026 को कल्याणपुर थाना क्षेत्र में की गई। पुलिस के अनुसार कल्याणपुर थाना अंतर्गत ग्राम कैथवलिया स्थित विराट रामायण मंदिर के पास एक चाय-नाश्ता की दुकान में छापेमारी की गई। इस दौरान पुलिस ने एक युवक को संदिग्ध स्थिति में पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास से 10.90 ग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद हुआ। गिरफ्तार युवक की पहचान लालेश्वर पटेल, पिता–बैद्यनाथ पटेल, निवासी कैथवलिया, थाना कल्याणपुर, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके पर ही उसे गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में कल्याणपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में सूखा नशा के कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इसमें शामिल लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बिना रजिस्ट्रेशन चल रहे क्लीनिकों पर छापेमारी, प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम @ बगहा : पश्चिमी चंपारण के सिविल सर्जन के निर्देश पर मधुबनी प्रखंड में अवैध रूप से संचालित स्वास्थ्य केंद्रों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। शनिवार को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आनंद कुमार के नेतृत्व में करीब आधा दर्जन निजी अस्पतालों और अल्ट्रासाउंड केंद्रों को सील कर दिया गया।जांच के दौरान सवारियां हॉस्पिटल (देवीपुर) और शिव शक्ति अल्ट्रासाउंड सहित कई अन्य केंद्रों के कागजात वैध नहीं पाए गए। डॉ. आनंद कुमार ने बताया कि इन संस्थानों के विरुद्ध अब एफ़आईआर दर्ज करने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। उन्होंने सख्त चेतावनी दी है कि बिना पंजीकरण के किसी भी अस्पताल को संचालित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी और क्षेत्र में अवैध क्लीनिकों के खिलाफ यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।स्वास्थ्य विभाग की इस ताबड़तोड़ छापेमारी से अवैध संचालकों में हड़कंप मच गया है। जांच की भनक लगते ही कई अस्पताल और मेडिकल स्टोर संचालक शटर गिराकर मौके से फरार हो गए।

किशनगंज-दरभंगा आवासीय स्कूलों में प्रवेश का मौका

छात्र 20 मार्च तक भरें फॉर्म

बीएनएम @ बेतिया। बिहार के अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने बिहार राज्य अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय योजना के तहत किशनगंज एवं दरभंगा स्थित विद्यालयों में नामांकन के लिए आवेदन की समय-सीमा बढ़ा दी है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए वर्ग 9वीं से 11वीं (कला एवं विज्ञान) में प्रवेश हेतु अब छात्र 20 मार्च 2026 तक आवेदन कर सकेंगे।पूर्व में आवेदन की अंतिम तिथि 15 मार्च निर्धारित थी, जिसे विभागीय पत्रांक 1095 के आलोक में विस्तारित किया गया है। पश्चिम चम्पारण के सहायक निदेशक ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी ऑनलाइन या ऑफलाइन, दोनों माध्यमों से आवेदन जमा कर सकते हैं। नामांकन से जुड़ी किसी भी विस्तृत जानकारी के लिए जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय के दूरभाष संख्या 06254-241132 पर संपर्क किया जा सकता है। यह निर्णय उन विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर है जो किन्हीं कारणों से अब तक आवेदन नहीं कर पाए थे।

विदेशी शराब जब्त

बीएनएम @ नौतन। स्थानीय पुलिस ने दियारा क्षेत्र के शिवराजपुर में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 282.51 लीटर विदेशी शराब और बीयर की बड़ी खेप बरामद की है। थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार पासवान के अनुसार, गुप्त सूचना मिली थी कि तस्कर गंडक नदी पार कर बाइक से शराब की सप्लाई करने वाले हैं। पुलिस टीम को देखते ही तस्कर शिवराजपुर पुल के पास दो बाइक और शराब छोड़कर फरार हो गए।जब्त खेप में एटीपीएम स्पेशल, ऑफिसर्स चॉइस, रॉयल स्टैग और किंगफिशर बीयर सहित कुल 1,345 पीस बोतलें बरामद की गई हैं। पुलिस ने शराब के साथ दोनों बाइकों को जब्त कर लिया है और अज्ञात तस्करों के विरुद्ध मामला दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है।

रोटरी क्लब ने नगर निगम को सौंपा शव वाहन

बीएनएम @ बेतिया। बेतिया वासियों के लिए रोटरी क्लब ने सामाजिक सरोकार की एक मिसाल पेश करते हुए नगर निगम को एक शव वाहन उपलब्ध कराया है। शनिवार, 14 मार्च को नगर निगम परिसर में आयोजित एक समारोह में महापौर और नगर आयुक्त ने हरी झंडी दिखाकर इस सेवा का विधिवत शुभारंभ किया।नगर निगम प्रशासन के अनुसार, यह वाहन सेवा सातों दिन 24 घंटे उपलब्ध रहेगी। इस पहल का मुख्य उद्देश्य पार्थिव शरीरों को अस्पताल या घर से श्मशान घाट तक ले जाने में परिजनों को होने वाली असुविधा और आर्थिक बोझ को कम करना है। रोटरी क्लब के इस सहयोग की शहर के गणमान्य लोगों ने सराहना की है। अधिकारियों ने बताया कि आपात स्थिति में नगरवासी सीधे संपर्क कर इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं, जिससे अंतिम संस्कार की प्रक्रियाओं में सुगमता आएगी।

मलबे में दबने से नवलपुर के जवान की मौत

बीएनएम @ पश्चिम चंपारण। नवलपुर गांव (योगापट्टी) के लिए शनिवार का दिन अत्यंत दुखद रहा, जब कारगिल में तैनात अग्निवीर मनीष कुमार की शहादत की खबर पहुंची। 13 मार्च 2026 को कारगिल में ड्यूटी के दौरान पहाड़ का एक हिस्सा गिरने (लैंडस्लाइड) से हुए हादसे में मनीष कुमार मलबे में दब गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। अक्टूबर 2023 में सेना में भर्ती हुए मनीष अपने परिवार के इकलौते सहारा थे।इस भीषण हादसे में तीन अन्य जवान भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका उपचार सैन्य अस्पताल में जारी है। मनीष के पिता मोहन प्रसाद और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जैसे ही शहादत की सूचना मिली, पूरे नवलपुर क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीण और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने शहीद के परिवार के लिए उचित मुआवजे और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग सरकार से की है। शहीद मनीष कुमार का पार्थिव शरीर 15 मार्च की सुबह तक उनके पैतृक गांव पहुंचने की संभावना है, जहां सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

पुलिस ने आरोपी को भेजा जेल

बीएनएम @ बैरिया। फुलियाखाड़ गांव में हुए हिंसक हमले के मामले में बैरिया थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना 4 मार्च की रात की है, जब वार्ड संख्या-7 निवासी कपिलदेव राम के घर पर लाठी-डंडों और फरसा से लैस होकर हमला किया गया था।पीड़ित के अनुसार, आरोपियों ने उनके और उनके पोते संदीप कुमार पर जानलेवा हमला किया, जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का इलाज जीएमसीएच बेतिया में कराया गया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए छापेमारी की और इस कांड के आरोपी मदन यादव (निवासी नगदहा, पूर्वी चंपारण) को पकड़कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

गैस वितरण की निगरानी करेगा पुलिस मुख्यालय

गड़बड़ी मिलने पर दर्ज होगी एफआईआर

बीएनएम @ पटना। रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत और कालाबाजारी की बढ़ती शिकायतों पर बिहार पुलिस मुख्यालय ने कड़ा संज्ञान लिया है। डीजीपी कंट्रोल रूम ने राज्य के सभी जिलों के पुलिस कप्तानों (एसएसपी और एसपी) को निर्देश दिया है कि वे अपने क्षेत्रों के गैस गोदामों और वितरण प्रणाली की तुरंत जांच करें। यह कदम उपभोक्ताओं को हो रही परेशानी और सिलेंडर को निर्धारित कीमत से अधिक पर बेचे जाने की सूचनाओं के बाद उठाया गया है।पुलिस मुख्यालय के अनुसार, मध्य-पूर्व में जारी युद्ध की स्थिति का फायदा उठाकर कुछ गैस एजेंसी संचालकों द्वारा कृत्रिम कमी पैदा करने और जमाखोरी करने की आशंका है।

रक्सौल में अंतरराष्ट्रीय जन सेवा संगठन के कार्यालय का उद्घाटन

बीएनएम @ रक्सौल

रक्सौल। शहर के मौजे क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय जन सेवा संगठन के कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में एसएसबी 47वीं वाहिनी के इंस्पेक्टर एएचटीयू विकास कुमार मुख्य अतिथि तथा स्टेशन अधीक्षक अजय कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। दोनों अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यालय का उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विकास कुमार ने कहा कि मानव सेवा और जनकल्याण के उद्देश्य से कार्य करने वाली यह संस्था समाज के लिए सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि संगठन की गतिविधियों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी नारी सशक्तिकरण को भी बढ़ावा देगी। संस्था के संयोजक अधिवक्ता दीप प्रकाश ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य गरीब, असहाय और पीड़ित लोगों की मदद करना है। उन्होंने बताया कि संस्था जरूरतमंद लोगों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान के लिए हर संभव प्रयास करेगी। कार्यक्रम के दौरान संस्था की सह-संयोजक मीतू गुप्ता, संगठन प्रभारी मीरा कुशवाहा, कोष प्रभारी सुनीता देवी, सदस्य सचिव नीता कुमारी, सह सदस्य सचिव कविता देवी, सलाहकार चंदा श्रीवास्तव और अस्थायी बृत्त प्रभारी प्रतिमा देवी ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। संस्था की ओर से गरीब और जरूरतमंद लोगों को हमेशा निःशुल्क सेवा देने का संकल्प भी लयिा गया। इस अवसर पर भाजपा रक्सौल संगठन के जिलाध्यक्ष अशोक पांडेय, समाजसेवी भरत प्रसाद गुप्ता, लायंस क्लब रक्सौल के अध्यक्ष बिमल सर्राफ, भाजपा नेता ई. जितेंद्र कुमार, राजकिशोर राय, प्रेमचंद कुशवाहा, कमलेश कुमार, समाजसेवी रजनीश प्रियदर्शी, माहेर के बीरेंद्र प्रसाद, भाजपा नेत्री ज्योतिराज गुप्ता, रेणु गुप्ता, प्रिया गुप्ता, पूनम गुप्ता, स्वच्छ रक्सौल के अध्यक्ष रणजीत सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

विवाहिता की संदिग्ध मौत मामले में पांच ससुरालवालों पर हत्या का आरोप, प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। थाना क्षेत्र में विवाहिता माधुरी देवी की मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। मृतका के पिता अजय साह ने पांच लोगों के खिलाफ हत्या का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज करने के लिए पुलिस को आवेदन दिया है। अजय साह ओलाहा मेहता टोला के निवासी हैं। आवेदन में उन्होंने बताया कि उनकी पुत्री की शादी वर्ष 2017 में जगापाकड़ गांव निवासी पन्नालाल साह के पुत्र अनमोल साह से हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष दहेज में चार पहिया वाहन की मांग को लेकर माधुरी देवी को प्रताड़ित करता था। मृतका के पिता का यह भी आरोप है कि उसके ससुर द्वारा कई बार गलत संबंध बनाने की कोशिश की गई थी, जिसे लेकर गांव में पंचायत भी बैठी थी। घटना की रात भी ससुर ने उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। विरोध करने पर पति अनमोल साह, पन्नालाल साह, रामलाल साह, अशरफी साह और सोनेलाल साह ने मिलकर उसकी हत्या कर दी। आरोप है कि घटना के बाद मामले को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को पंखे से लटका दिया गया और कमरे में ताला लगाकर सभी आरोपी फरार हो गए। थानाध्यक्ष सह डीएसपी ऋषभ कुमार ने बताया कि मामले में आवेदन प्राप्त हुआ है। पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई कर रही है।

रक्सौल थाना में सम्मान सह विदाई समारोह, नए थानाध्यक्ष हेमंत सिंह का स्वागत

बीएनएम @ रक्सौल

रक्सौल। रक्सौल थाना परिसर में सम्मान सह विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें नवपदस्थापित थानाध्यक्ष (प्रशिक्षु आईपीएस) हेमंत सिंह का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। वहीं स्थानांतरण पर जा रहे पूर्व थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार को भावभीनी विदाई दी गई। समारोह में शहर के समाजसेवियों, व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों और कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों ने हेमंत सिंह को पुष्पगुच्छ व अंगवस्त्र देकर उनका अभिनंदन किया और नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही उनसे शहर में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाए रखने की अपेक्षा जताई। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने पूर्व थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बेहतर रही। लोगों ने उनके कार्यों को याद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर लायंस क्लब के अध्यक्ष बिमल कुमार सर्राफ, इंडो-नेपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, जदयू नेता सन्नी पटेल, जदयू नगर अध्यक्ष प्रदीप भारती, वार्ड पार्षद दिनेश प्रसाद, सोनू गुप्ता, कांग्रेस नेता मनोरंजन तिवारी, भारत विकास परिषद के रजनीश प्रियदर्शी, कपड़ा बैंक की निदेशिका ज्योति गुप्ता, रमेश गुप्ता, राजू गुप्ता, देशबंधु गुप्ता, सोमेश्वर कुशवाहा, निशांत श्रीवास्तव, के. मोहन, राजेश गुप्ता, सुबोध कुमार, तेजबहादुर यादव, समसुद्दीन आलम तथा राजद नेता सैफुल आलम सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अरेराज में गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण, अफवाहों से बचने की अपील

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। अनुमंडल पदाधिकारी अरेराज अंजली शर्मा ने शनिवार को अनुमंडल क्षेत्र की कई एलपीजी गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गैस की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था तथा उपभोक्ताओं को दी जा रही सेवाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के क्रम में एसडीओ ने एजेंसियों में गैस सिलेंडर के भंडारण, रिकॉर्ड संधारण तथा डोर-टू-डोर वितरण प्रणाली की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने एजेंसी संचालकों को निर्देश दिया कि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और वितरण व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी तथा व्यवस्थित होनी चाहिए। साथ ही एजेंसियों को अपने प्रतिष्ठान पर नियमित रूप से स्टॉक प्रदर्शन पटल अपडेट रखने का निर्देश दिया गया, ताकि आम लोगों को गैस की उपलब्धता की सही जानकारी मिल सके। अनुमंडल पदाधिकारी ने आम उपभोक्ताओं से अपील करते हुए कहा कि गैस को लेकर फैल रही अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि घबराकर अनावश्यक रूप से गैस सिलेंडर की बुकिंग न करें, बल्कि जरूरत के अनुसार ही रिफिल के लिए आवेदन करें। इससे गैस आपूर्ति व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित रहेगी और सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन गैस आपूर्ति व्यवस्था पर लगातार नजर बनाए हुए है।

हरसिद्धि में शिक्षिका का पारंपरिक जाँत चलाते वीडियो वायरल, लोकगीत के साथ दिखी पुरानी परंपरा

बीएनएम @ राकेश कुमार

मोतिहारी/हरसिद्धि। पूर्वी चंपारण जिले के हरसिद्धि क्षेत्र की एक शिक्षिका का पारंपरिक जाँत चलाने का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में शिक्षिका अपनी जेठानी के साथ जाँत चलाते हुए पारंपरिक लोकगीत गाती नजर आ रही हैं। लोग इसे ग्रामीण संस्कृति और पुरानी परंपराओं से जुड़ाव का सुंदर उदाहरण बता रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार वीडियो में दिख रही शिक्षिका का नाम सबिता विश्वकर्मा बताया जा रहा है, जो हरसिद्धि प्रखंड के कानू टोला की निवासी हैं। वे हरसिद्धि बाजार स्थित एक विद्यालय में शिक्षिका के रूप में कार्यरत हैं। बताया जाता है कि वे पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष की पत्नी भी हैं। वायरल वीडियो में सबिता विश्वकर्मा अपनी जेठानी के साथ पारंपरिक तरीके से जाँत चलाती दिखाई दे रही हैं और साथ-साथ लोकगीत भी गा रही हैं। कभी ग्रामीण जीवन में जाँत चलाना घरों का सामान्य काम हुआ करता था। उस समय महिलाएँ इसी तरह अनाज पीसते हुए लोकगीत गाती थीं, जिससे काम के साथ-साथ आपसी स्नेह और सामूहिकता भी बनी रहती थी। एक ओर जहाँ लोग हाईटेक और डिजिटल युग में आधुनिक जीवनशैली की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं, वहीं शिक्षिका द्वारा इस तरह जाँत चलाकर लोकगीत गाते हुए पुरानी परंपरा को जीवित रखने की यह पहल चारों ओर चर्चा और प्रशंसा का विषय बन गई है। वीडियो के साथ साझा किए गए संदेश में कहा गया है कि पुरानी परंपराएँ हमारी संस्कृति और जड़ों से जुड़ने का माध्यम हैं, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवन जीने का तरीका सिखाती हैं और समाज में एकता बनाए रखने का काम करती हैं। सोशल मीडिया पर इस वीडियो को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। कई लोग इसे ग्रामीण संस्कृति की जीवंत झलक बताते हुए सराहना कर रहे हैं। यह वीडियो लोगों को अपनी सांस्कृतिक धरोहर और पुरानी परंपराओं की याद दिलाने का काम कर रहा है।

ताजपुर में दो वर्षीय बच्चे की हत्या, आरोपी महिला गिरफ्तार

बीएनएम @ शिवहर

शिवहर। जिले के ताजपुर गांव में दो वर्षीय बच्चे की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक शुभांक मिश्रा, सदर एसडीपीओ सुशील कुमार, नगर थानाध्यक्ष रणधीर कुमार सिंह सहित कई थानों की पुलिस भारी संख्या में घटनास्थल पर पहुंची। मामले की जांच के लिए एफएसएल (फॉरेंसिक) टीम को भी बुलाया गया। पुलिस अधीक्षक शुभांक मिश्रा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आपसी विवाद को लेकर पड़ोसी महिला द्वारा बच्चे की गला दबाकर हत्या करने की बात सामने आई है। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ के दौरान उसने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया है।

पुलिस ने बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल शिवहर भेज दिया है। घटना के बाद गांव में तनाव को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। मौके पर इंस्पेक्टर मंजर आलम, पिपराही थानाध्यक्ष उमाकांत सिंह, फतेहपुर थानाध्यक्ष राधेश्याम, महिला थानाध्यक्ष कल्याणी कुमारी सहित कई पुलिस पदाधिकारी और जवान कैंप कर रहे हैं। पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

सनौहा में छापेमारी, 860 ग्राम गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @रामगढ़वा

रामगढ़वा। पलनावा थाना क्षेत्र के सनौहा गांव में पुलिस ने छापेमारी कर 860 ग्राम गांजा बरामद करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बजरंगी कुमार, पिता भोला यादव, निवासी सनौहा के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि बजरंगी कुमार अपने घर में नेपाली गांजा रखकर पुड़िया बनाकर उसकी बिक्री कर रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान घर की तलाशी लेने पर 860 ग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। मौके से बजरंगी कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार पर पुलिस की लगातार नजर है और ऐसे मामलों में आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बिहार से चीन जाना होगा अब सुगम

» सहरसा में भी बनेगा नया हवाई अड्डा

बीएनएम @पटना

पटना। बिहार के यात्रियों के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा अब काफी सुगम होने वाली है। देश की प्रमुख विमानन कंपनी इंडिगो ने 29 मार्च 2026 से कोलकाता से शंघाई के लिए नई दैनिक उड़ान सेवा शुरू करने का निर्णय लिया है। इस पहल से बिहार के पटना, पूर्णिया, गया और दरभंगा जैसे प्रमुख शहरों के यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा, क्योंकि वे कोलकाता के माध्यम से आसानी से शंघाई तक का सफर तय कर सकेंगे। इंडिगो की यह उड़ान कोलकाता से प्रतिदिन रात 9:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन तड़के शंघाई पहुंचेगी, जबकि वापसी की उड़ान शंघाई से सुबह रवाना होकर 9:05 बजे कोलकाता पहुंचेगी।इस नई सेवा के आरंभ होने से बिहार के व्यापारियों, छात्रों और पर्यटकों को अलग-अलग विमानन कंपनियों की जटिल कनेक्टिंग यात्राओं से मुक्ति मिलेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे बिहार और चीन के बीच व्यापारिक संबंधों और पर्यटन को नई गति मिलेगी। दूसरी ओर, राज्य सरकार भी प्रदेश में हवाई संपर्क को बेहतर बनाने के लिए सक्रिय है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हाल ही में सहरसा में एक नए हवाई अड्डे के निर्माण की घोषणा की है, जिसके लिए अगले महीने निविदा जारी होने की उम्मीद है। सरकार की योजना आने वाले वर्षों में बिहार के विभिन्न जिलों में नए हवाई अड्डे विकसित करने की है, ताकि राज्य के अधिक से अधिक शहरों को देश और दुनिया के हवाई मानचित्र से सीधे जोड़ा जा सके।

खाड़ी तनाव की आंच भारत तकः ईंधन और गैस आपूर्ति पर चिंता

पिछले कुछ समय से खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है। तेल और गैस के बड़े उत्पादक देशों के बीच बढ़ते टकराव और क्षेत्रीय असुरक्षा के कारण अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका गहराती जा रही है। इसका सीधा असर भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों पर पड़ सकता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात के जरिए पूरा करता है। कच्चे तेल के मामले में देश लगभग 85 प्रतिशत तक आयात पर निर्भर है, जबकि एलपीजी और प्राकृतिक गैस का भी महत्वपूर्ण हिस्सा विदेशों से आता है। इन आयातों का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से ही प्राप्त होता है। ऐसे में यदि खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ता है या समुद्री मार्गों पर खतरा पैदा होता है, तो भारत की ईंधन आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। हालांकि, ईरान ने भारत के ईंधन लदे जहाजों को अपनी सीमा के होर्मुज से सुरक्षित निकालने पर सहमति दी है, लेकिन जहाजों के भारत पहुंचने तक तो संकट बना रहेगा। बड़ी बात यह है कि देश के कई राज्यों में घरेलू गैस आपूर्ति को लेकर संकट देखा जा रहा है। गैस सिलेण्डरों के लिए एजेन्सियों के बाहर लंबी कतारें होने के समाचार आ रहे हैं। होटल-रेस्टारेंट और गैस आधारित उद्योगों के बुरी तरह प्रभावित होने की सूचनाएं साझा हो रही है। हालांकि, सरकारें और प्रशासन अपने स्तर पर इस संकट से पार पाने और आमजन के दिलों में पैदा हुए डर को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन आमजन के मन में बन रही संकट की तस्वीर मिट नहीं पा रही है। हाल के दिनों में वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि खाड़ी क्षेत्र में स्थिति और बिगड़ती है, तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं। इससे भारत में पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की कीमतों पर दबाव बढ़ेगा। इसके साथ ही गैस आधारित उद्योगों और बिजली उत्पादन पर भी असर पड़ सकता है। भारत सरकार ने इस स्थिति से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं। सरकार ने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार का निर्माण किया है, ताकि आपातकालीन स्थिति में देश के पास कुछ समय तक ईंधन की उपलब्धता बनी रहे। इसके अलावा सरकार तेल आयात के स्रोतों को भी विविध बनाने की कोशिश कर रही है, ताकि किसी एक क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कम की जा सके। ऊर्जा विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को दीर्घकालिक समाधान के तौर पर वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन पर तेजी से काम करना होगा।

वैश्विक शक्ति प्रतिस्पर्धा के बीच भारत की आत्मनिर्भरता

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

आज के वैश्विक परिदृश्य में आत्मनिर्भरता किसी भी राष्ट्र की रणनीतिक स्वायत्तता, राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति की स्वतंत्रता का आधार बन चुका है। विशेष रूप से भारत जैसे विकास की गति में तेज दौड़ते राष्ट्र के लिए आत्मनिर्भरता का प्रश्न उत्पादन बढ़ाने या आयात कम करने तक सीमित नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है, बाहरी निर्भरताओं को कम करना और बड़ी शक्तियों की प्रतिस्पर्धा के बीच अपने राष्ट्रीय हितों का संतुलित प्रबंधन करना। भारत के तेल आयात को लेकर समय-समय पर सामने आने वाले अंतरराष्ट्रीय दबाव इस तथ्य को स्पष्ट करते हैं कि आर्थिक संसाधन और ऊर्जा आपूर्ति कैसे वैश्विक राजनीति में कूटनीतिक हथियार के रूप में भी प्रयुक्त हो सकते हैं! जब तेल की आपूर्ति को द्विपक्षीय व्यापारिक शर्तों से जोड़ा जाता है या किसी देश पर प्रतिबंध लगाकर उसके ऊर्जा व्यापार को सीमित किया जाता है, तब यह आर्थिक निर्णय नहीं रहता, बल्कि वह राष्ट्रों की विदेश नीति और रणनीतिक निर्णयों को भी प्रभावित करता है। एक तरह से देखें तो भारत के लिए यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसकी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात पर निर्भर है। ऐसी परिस्थितियाँ यह याद दिलाती हैं कि आत्मनिर्भरता का वास्तविक अर्थ सिर्फ घरेलू उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं रहा है, यह बाहरी निर्भरताओं से उत्पन्न दबावों को समझकर उनका विवेकपूर्ण प्रबंधन करना भी है। स्वतंत्र भारत की विकास यात्रा को देखें तो स्पष्ट होता है कि देश ने अपनी आर्थिक और राजनीतिक प्रगति की शुरुआत कई महत्वपूर्ण बाहरी निर्भरताओं के साथ की थी। इनमें चार क्षेत्र विशेष रूप से उल्लेखनीय रहे हैं; भोजन, विदेशी मुद्रा, रक्षा उपकरण और ऊर्जा। इन चारों क्षेत्रों में समय-समय पर उत्पन्न संकटों ने भारत के नीति-निर्माताओं को यह एहसास कराया कि यदि किसी राष्ट्र को अपनी नीति-निर्माण की स्वतंत्रता बनाए रखनी है, तब उस स्थिति में उसे इन मूलभूत क्षेत्रों में स्वदेशी क्षमता विकसित करनी ही होगी। इस संदर्भ में कहना होगा कि 1957-58 का विदेशी मुद्रा संकट स्वतंत्र भारत के लिए पहला बड़ा आर्थिक झटका था। उस समय आयात बढ़ने और निर्यात अपेक्षाकृत कम होने के कारण विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से घट गया। परिणामस्वरूप भारत को आयात पर नियंत्रण लगाने और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं की सहायता लेने के लिए विवश होना पड़ा। इस संकट ने नीति-निर्माताओं को यह समझा दिया कि यदि किसी देश की आर्थिक संरचना बाहरी संसाधनों पर अत्यधिक निर्भर हो, तब वह आर्थिक दबावों के सामने कमजोर पड़ सकती है। इसके कुछ वर्षों बाद 1962 में चीन के साथ युद्ध ने भारत की रक्षा व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण कमजोरी को उजागर किया। उस समय यह स्पष्ट हो गया कि भारत रक्षा उपकरणों और सैन्य तकनीक के लिए बड़े पैमाने पर विदेशी देशों पर निर्भर था। इस अनुभव ने देश को यह सोचने के लिए प्रेरित किया कि रक्षा उत्पादन में 'स्वदेशी क्षमता' का विकास राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। इसी प्रकार 1965-67 के भीषण सूखे ने भारत की खाद्य सुरक्षा को संकट में डाल दिया। उस समय देश को अपनी जनता की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर खाद्यान्न आयात करना पड़ा। यह स्थिति भारत के लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण थी, क्योंकि किसी भी देश के लिए 'भोजन' जैसी मूलभूत आवश्यकता में बाहरी निर्भरता उसकी संप्रभुता को कमजोर कर सकती है। यही वह दौर था जब भारत ने कृषि क्षेत्र में व्यापक सुधारों और वैज्ञानिक तकनीकों के उपयोग के माध्यम से हरित क्रांति की दिशा में कदम बढ़ाया, जिसने अंततः देश को खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर किया। ऊर्जा क्षेत्र में भी इसी प्रकार की चुनौतियाँ सामने आईं। 1990 के खाड़ी युद्ध के दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में अचानक वृद्धि हुई। चूँकि भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा तेल आयात के माध्यम से पूरा करता है, इसलिए इस मूल्य वृद्धि का सीधा प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ा। परिणामस्वरूप भुगतान संतुलन का गंभीर संकट उत्पन्न हुआ और भारत को आर्थिक सुधारों की दिशा में बड़े कदम उठाने पड़े। इस अनुभव ने यह स्पष्ट कर दिया कि ऊर्जा जैसे रणनीतिक संसाधनों में बाहरी निर्भरता किसी भी राष्ट्र की आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर सकती है। यहां समझने के लिए यह भी है कि भारतीय चिंतन में 'स्वदेशी' और 'आत्मनिर्भरता' का विचार शुरू से ही रहता आया है। प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन में भी संसाधनों की स्वतंत्रता को राज्य की शक्ति का आधार माना गया है। 'अर्थशास्त्र' में महान राष्ट्रभक्त आचार्य 'कौटिल्य' ने राज्य की समृद्धि और सुरक्षा को उसके आर्थिक संसाधनों और उत्पादन क्षमता से जोड़ा है। उनके अनुसार,किसी भी राज्य की स्थिरता इस बात पर निर्भर करती है कि वह अपने संसाधनों का प्रबंधन किस प्रकार करता है और बाहरी शक्तियों के प्रभाव से स्वयं को कितना सुरक्षित रख पाता है। आधुनिक भारत में इस विचार को सबसे प्रभावी रूप से लाला लाजपत राय, विपिनचंद्र पाल, बाल गंगाधर तिलक, पं. मदनमोहन मालवीय, माखनलाल चतुर्वेदी समेत महात्मा गांधी ने प्रस्तुत किया। अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'हिंद स्वराज' में गांधी ने स्वदेशी की अवधारणा को आर्थिक नीति से कहीं अधिक सामाजिक और राजनीतिक स्वतंत्रता के सिद्धांत के रूप में प्रस्तुत किया। उनके शब्दों में, "स्वदेशी का अर्थ है अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अपने आस-पास उपलब्ध संसाधनों और श्रम का उपयोग करना।" गांधी के लिए स्वदेशी का उद्देश्य विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार तक सीमित न रहते हुए एक ऐसी व्यवस्था का निर्माण था जिसमें समाज की आर्थिक संरचना बाहरी शक्तियों के नियंत्रण से मुक्त हो सके। इसी प्रकार दादाभाई नौरोजी ने अपनी प्रसिद्ध कृति "पावर्टी ऐंड अनब्रिटिश रूल इन इंडिया" में यह तर्क दिया था कि 'भारत की गरीबी का एक प्रमुख कारण उपनिवेशवादी शासन के कारण उत्पन्न आर्थिक निर्भरता थी।' उनके अनुसार 'जब किसी देश के संसाधनों और व्यापारिक गतिविधियों पर बाहरी शक्तियों का नियंत्रण हो जाता है, तब उस देश की आर्थिक प्रगति बाधित हो जाती है।' निश्चित तौर पर कहना होगा कि यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है, क्योंकि आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था में भी आर्थिक निर्भरता कई बार राजनीतिक दबाव का माध्यम बन जाती है। इसे आगे हम देखते भी हैं कि पं. दीनदयाल उपाध्याय, दत्तोपंत ठेंगड़ी, नानाजी देशमुख जैसे विचारकों ने बहुत व्यवहारिक तरीके से भारतीय समाज के सामने रखा है। वस्तुतः वर्तमान समय में भारत के सामने ऊर्जा सुरक्षा की चुनौती इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का अधिकांश भाग तेल आयात के माध्यम से पूरा करता है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में कई बार ऐसे उदाहरण सामने आए हैं जब ऊर्जा व्यापार को कूटनीतिक दबाव के साधन के रूप में प्रयोग किया गया। कुछ अवसरों पर अमेरिका ने अपने प्रतिबंधों के माध्यम से ईरान जैसे देशों से तेल आयात करने वाले देशों पर दबाव बनाया, जिससे भारत को भी अपने ऊर्जा आयात के निर्णयों में सावधानी बरतनी पड़ी। ऐसी परिस्थितियाँ यह स्पष्ट करती हैं कि ऊर्जा निर्भरता सिर्फ आर्थिक विषय तक सीमित नहीं है, यह विदेश नीति और रणनीतिक स्वायत्तता से भी जुड़ा हुआ है, इसीलिए आज आत्मनिर्भरता का अर्थ है, स्वदेशी क्षमता का विकास करते हुए बाहरी निर्भरताओं को इस प्रकार संतुलित करना कि कोई भी शक्ति भारत की नीति-निर्माण की स्वतंत्रता को प्रभावित न कर सके। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी. जे. अब्दुल कलाम ने अपनी पुस्तक "भारत 2020" में लिखा है कि 'यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनना है तो उसे ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और रक्षा जैसे क्षेत्रों में आत्मनिर्भर होना होगा।' उनके अनुसार- 'ऊर्जा आत्मनिर्भरता के बिना किसी भी राष्ट्र की दीर्घकालिक विकास रणनीति अधूरी रहती है।' यही कारण है कि आज भारत नवीकरणीय ऊर्जा, सौर ऊर्जा, जैव-ईंधन और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे क्षेत्रों में तेजी से निवेश कर रहा है। अंततः यह कहा जा सकता है कि भारत की विकास यात्रा हमें एक महत्वपूर्ण सबक देती है, वह यह है कि आर्थिक संसाधनों में स्वदेशी क्षमता और बाहरी निर्भरताओं का संतुलित प्रबंधन ही वास्तविक आत्मनिर्भरता का आधार है। भोजन, विदेशी मुद्रा, रक्षा उपकरण और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में आए ऐतिहासिक संकटों ने यह सिद्ध किया है कि यदि कोई राष्ट्र अपनी मूलभूत आवश्यकताओं के लिए अत्यधिक बाहरी शक्तियों पर निर्भर रहता है तब उस स्थिति में उसकी नीति-निर्माण की स्वतंत्रता सीमित हो सकती है। अतः वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में आत्मनिर्भरता का अर्थ है; स्वदेशी उत्पादन, तकनीकी नवाचार और बहुपक्षीय कूटनीति के माध्यम से ऐसी आर्थिक और रणनीतिक क्षमता का निर्माण करना, जिससे भारत वैश्विक शक्ति-प्रतिस्पर्धा के बीच भी अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर सके। यही वह मार्ग है जो भारत को उसे विश्व राजनीति में एक स्वतंत्र और प्रभावशाली शक्ति के रूप में स्थापित करता हुआ दिखता है, अच्छा है कि वर्तमान केंद्र की मोदी सरकार इसी रास्ते पर चल रही है। वस्तुतः इसी में भारत का दीर्घकालीन हित निहित है।

जागरूक उपभोक्ता ही है सुरक्षित बाजार की नींव

योगेश कुमार गोयल

जमाखोरी, कालाबाजारी, मिलावट, नाप-तोल में गड़बड़ी, मनमाने दाम वसूलना, बगैर मानक वस्तुओं की बिक्री, ठगी, सामान की बिक्री के बाद गारंटी अथवा वारंटी के बावजूद सेवा प्रदान नहीं करना इत्यादि समस्याओं से ग्राहकों का सामना अक्सर होता रहता है। ऐसी ही समस्याओं से उन्हें निजात दिलाने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रतिवर्ष 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष यह दिवस 'सुरक्षित उत्पाद, आश्वस्त उपभोक्ता' विषय के साथ मनाया जा रहा है। यह वैश्विक पहल उत्पाद सुरक्षा, उपभोक्ता जागरूकता और मजबूत नियमों की आवश्यकता पर जोर देती है। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस उपभोक्ताओं को उनकी शक्तियों और अधिकारों के बारे में जागरूक करने का एक महत्वपूर्व अवसर है। उपभोक्ता आन्दोलन की नींव सबसे पहले 15 मार्च 1962 को अमेरिका में रखी गई थी और 15 मार्च 1983 से यह दिवस इसी दिन निरन्तर मनाया जा रहा है। भारत में उपभोक्ता आन्दोलन की शुरूआत मुम्बई में वर्ष 1966 में हुई थी। तत्पश्चात् पुणे में वर्ष 1974 में ग्राहक पंचायत की स्थापना के बाद कई राज्यों में उपभोक्ता कल्याण के लिए संस्थाओं का गठन किया गया। इस प्रकार उपभोक्ता हितों के संरक्षण की दिशा में यह आन्दोलन आगे बढ़ता गया। वैसे बाजार में उपभोक्ताओं का शोषण होना कोई नई बात नहीं है बल्कि उपभोक्ताओं के शोषण की जड़ें आज बहुत गहरी हो चुकी हैं। उपभोक्ताओं को इस शोषण से मुक्ति दिलाने के लिए कई कानून भी बनाए गए लेकिन जब से उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अस्तित्व में आने के बाद से उपभोक्ताओं को शीघ्र, त्वरित एवं कम खर्च पर न्याय दिलाने का मार्ग प्रशस्त हुआ और उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की सेवाएं प्रदान करने वाली कम्पनियां व प्रतिष्ठान अपनी सेवाओं अथवा उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार के प्रति सचेत हुए। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए और अगर वे धोखाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली इत्यादि के शिकार होते हैं तो वे इसकी शिकायत उपभोक्ता अदालत में कर सकें। ग्राहकों के साथ आए दिन होने वाली धोखाधड़ी को रोकने और उपभोक्ता अधिकारों को ज्यादा मजबूती प्रदान करने के लिए देश में 20 जुलाई 2020 को 'उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019' (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) लागू किया गया, जिसमें उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की ठगी और धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई प्रावधान हैं। यह कानून अब साढ़े तीन दशक पुराने 'उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986' का स्थान ले चुका है। भारत में उपभोक्ता संरक्षण कानून में स्पष्ट किया गया है कि प्रत्येक वह व्यक्ति उपभोक्ता है, जिसने किसी वस्तु या सेवा के क्रय के बदले धन का भुगतान किया है या भुगतान करने का आश्वासन दिया है और ऐसे में किसी भी प्रकार के शोषण अथवा उत्पीड़न के खिलाफ वह अपनी आवाज उठा सकता है तथा क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है। खरीदी गई किसी वस्तु, उत्पाद अथवा सेवा में कमी या उसके कारण होने वाली किसी भी प्रकार की हानि के बदले उपभोक्ताओं को मिला कानूनी संरक्षण ही उपभोक्ता अधिकार है। यदि खरीदी गई किसी वस्तु या सेवा में कोई कमी है या उससे आपको कोई नुकसान हुआ है तो आप उपभोक्ता फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उपभोक्ताओं का शोषण होने और ऐसे मामलों में उनके द्वारा उपभोक्ता

अदालत की शरण लिए जाने के बाद मिले न्याय के कुछ मामलों पर नजर डालें तो स्पष्ट हो जाता है कि उपभोक्ता अदालतें उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण के लिए कितना बड़ा काम कर रही हैं। एक उपभोक्ता ने एक दुकान से बिजली का एक पंखा खरीदा लेकिन एक वर्ष की गारंटी होने के बावजूद थोड़े ही समय बाद पंखा खराब होने पर भी जब दुकानदार उसे ठीक कराने या बदलने में आनाकानी करने लगा तो उपभोक्ता ने उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने अपने आदेश में नया पंखा देने के साथ उपभोक्ता को हर्जाना देने का भी फरमान सुनाया। एक अन्य मामले में एक आवेदक ने सरकारी नौकरी के लिए अपना आवेदन अंतिम तिथि से पांच दिन पूर्व ही स्पीड पोस्ट द्वारा संबंधित विभाग को भेज दिया लेकिन आवेदन निर्धारित तिथि तक नहीं पहुंचने के कारण उसे परीक्षा में बैठने का अवसर नहीं दिया गया। आवेदक ने डाक विभाग की लापरवाही को लेकर उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया और उसे न्याय मिला। चूंकि स्पीड पोस्ट को डाक अधिनियम में एक आवश्यक सेवा माना गया है, इसलिए उपभोक्ता अदालत ने डाक विभाग को सेवा शर्तों में कमी का दोषी पाते हुए डाक विभाग को मुआवजे के तौर पर आवेदक को एक हजार रुपये की राशि देने का आदेश दिया। ऐसी ही छोटी-बड़ी समस्याओं का सामना जीवन में कभी न कभी हम सभी को करना ही पड़ता है लेकिन अधिकांश लोग अपने अधिकारों की लड़ाई नहीं लड़ते। इसका एक प्रमुख कारण यही है कि देश की बहुत बड़ी आबादी अशिक्षित है, जो अपने अधिकारों और कर्त्तव्यों के प्रति अनभिज्ञ है लेकिन जब शिक्षित लोग भी अपने उपभोक्ता अधिकारों के प्रति उदासीन नजर आते हैं तो आश्चर्य होता है। यदि आप एक उपभोक्ता हैं और किसी भी प्रकार के शोषण के शिकार हुए हैं तो अपने अधिकारों की लड़ाई लड़कर न्याय पा सकते हैं। कोई वस्तु अथवा सेवा लेते समय हम धन का भुगतान तो करते हैं पर बदले में उसकी रसीद नहीं लेते। शोषण से मुक्ति पाने के लिए सबसे जरूरी है कि आप जो भी वस्तु, सेवा अथवा उत्पाद खरीदें, उसकी रसीद अवश्य लें। यदि आपके पास रसीद के तौर पर कोई सबूत ही नहीं है तो आप अपने मामले की पैरवी सही ढ़ंग से नहीं कर पाएंगे। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे अनेक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें उपभोक्ता अदालतों से उपभोक्ताओं को पूरा न्याय मिला है लेकिन आपसे यह अपेक्षा तो होती ही है कि आप अपनी बात अथवा दावे के समर्थन में पर्याप्त सबूत तो पेश करें। उपभोक्ता अदालतों की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इनमें लंबी-चौड़ी अदालती कार्रवाई में पड़े बिना ही आसानी से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

फिल्म "शतक" है संघ की मौन साधना का दस्तावेज

विवेक कुमार पाठक

भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में कुछ संस्थाएँ ऐसी हैं जिनकी भूमिका विचार, संस्कार और समाज निर्माण की दीर्घ परंपरा तक व्याप्त है। ऐसा ही एक संगठन है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसकी स्थापना 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में विजयादशमी के दिन की थी। सौ वर्षों की इस यात्रा को दृश्य माध्यम में समेटने का प्रयास करती फिल्म "शतक" एक विचार-यात्रा है। यह फिल्म उस संगठन की कहानी कहती है जो सामाजिक समरसता, राष्ट्रभाव और सेवा के संस्कारों को केंद्र में रखकर कार्य करता रहा है। फिल्म का मूल स्वर संघ की उस मौन साधना को समझाने का है जिसे अक्सर सामान्य जन सतही तौर पर जानते हैं। संघ का दैनिक जीवन, शाखाओं में गूंजने वाला प्रार्थना गीत, भगवा ध्वज को गुरु मानने की परंपरा और स्वयंसेवकों के सेवा कार्य इन सबको फिल्म एक सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत करती है। विशेष रूप से यह दिखाया गया है कि कैसे संगठन समाज को जोड़ने, सांस्कृतिक चेतना जगाने और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना विकसित करने का प्रयास करता रहा है। फिल्म की शुरुआत उस ऐतिहासिक दौर से होती है जब भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था। उस समय की सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों ने युवा डॉक्टर हेडगेवार को गहरे स्तर पर प्रभावित किया। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे उन्होंने समाज में बिखराव, आत्मविश्वास की कमी और सांस्कृतिक अस्मिता के संकट को महसूस किया। यही अनुभव आगे चलकर संघ की स्थापना के प्रेरक बने। "शतक" में हेडगेवार के जीवन को बाल्यकाल से लेकर उनके प्रौढ़ चिंतन तक विस्तार से दिखाया गया है, उनकी राष्ट्रभक्ति, संगठन क्षमता और समाज के लिए उनकी दूरदर्शी सोच फिल्म का प्रमुख आकर्षण है। फिल्म यह भी बताती है कि प्रारंभिक वर्षों में संघ को व्यापक स्वीकृति तुरंत नहीं मिली। कई स्थानों पर उपहास, विरोध और संदेह का सामना करना पड़ा। यहाँ पर स्वामी विवेकानंद का वह विचार स्मरण होता है कि किसी भी बड़े विचार को पहले उपहास, फिर विरोध और अंततः स्वीकार्यता मिलती है। "शतक" इसी क्रम को ऐतिहासिक घटनाओं के माध्यम से सामने लाती है। धीरे-धीरे संघ की शाखाएँ बढ़ती हैं और संगठन सेवा, अनुशासन और सामाजिक समरसता के माध्यम से समाज में अपनी पहचान स्थापित करता है। फिल्म का एक महत्वपूर्ण पक्ष स्वतंत्रता आंदोलन के दौर को लेकर है। इस समय विभिन्न विचारधाराओं और संगठनों की सक्रियता थी। फिल्म में यह संकेत मिलता है कि उस काल में कांग्रेस के भीतर भी अलग-अलग धाराएँ थीं और अनेक क्रांतिकारी विचार समानांतर रूप से सक्रिय थे। इस संदर्भ में सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह और विनायक दामोदर सावरकर जैसे नायकों का उल्लेख उस दौर की वैचारिक विविधता को दर्शाता है। "शतक" का दूसरा महत्वपूर्ण अध्याय संघ के दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के नेतृत्व से जुड़ा है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे हेडगेवार के बाद उन्होंने संगठन को आगे बढ़ाया और कठिन परिस्थितियों में भी उसे स्थिर रखा। भारत विभाजन के समय उत्पन्न सामाजिक तनाव, "डायरेक्ट एक्शन डे" की हिंसक घटनाएँ और शरणार्थियों की पीड़ा इन सबके बीच स्वयंसेवकों के कार्यों को फिल्म में प्रमुखता से दिखाया गया है। इसके साथ ही गांधीजी की हत्या के बाद संघ पर लगे प्रतिबंध और उसके परिणामों का चित्रण भी फिल्म का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उस समय संघ को राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर गंभीर आरोपों का सामना करना पड़ा। "शतक" इस कालखंड को केवल घटनाओं के रूप में नहीं बल्कि एक परीक्षा-काल के रूप में प्रस्तुत करती है, जिसमें संगठन ने अपने अस्तित्व और उद्देश्य दोनों की रक्षा करने का प्रयास किया। फिल्म में उस दौर के राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ वैचारिक संवादों का भी उल्लेख है जिनमें महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और वल्लभभाई पटेल जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। इन प्रसंगों के माध्यम से फिल्म उस समय की राजनीतिक जटिलताओं और निर्णयों पर विचार करने का अवसर देती है। निर्देशक का उद्देश्य यहाँ किसी निष्कर्ष को थोपना नहीं बल्कि दर्शकों को इतिहास के विभिन्न पक्षों को देखने और समझने के लिए प्रेरित करना प्रतीत होता है। सिनेमा के दृष्टिकोण से देखें तो "शतक" की सबसे बड़ी ताकत इसका नैरेटिव टोन है। फिल्म में प्रसिद्ध अभिनेता अजय देवगन की आवाज़ में दिया गया वॉयसओवर पूरे कथानक को गंभीरता और प्रभाव देता है। उनकी आवाज इतिहास की घटनाओं को केवल जानकारी नहीं रहने देती बल्कि उन्हें भावनात्मक अनुभव में बदल देती है। संगीत भी फिल्म की आत्मा को मजबूत करता है। गायक सुखविंदर सिंह की आवाज़ में गाया गया गीत "भगवा है अपनी पहचान" फिल्म का भावनात्मक चरम बनकर सामने आता है। इस गीत के माध्यम से फिल्म संघ के सांस्कृतिक प्रतीक भगवा ध्वज को गौरव और पहचान के रूप में प्रस्तुत करती है। कई सिनेमाघरों में यह गीत दर्शकों के भीतर विशेष भावनात्मक प्रतिक्रिया उत्पन्न करता है। हालाँकि यह भी उल्लेखनीय है कि "शतक" संघ की सौ वर्ष की यात्रा को पूरी तरह समेटने का दावा नहीं करती। फिल्म मुख्यतः हेडगेवार और गोलवलकर के कालखंड पर केंद्रित है और संघ के तीसरे सरसंघचालक बालासाहेब देवरस तक की कहानी का संकेत देती है। इस तरह यह फिल्म सौ वर्षों की यात्रा का "अर्धशतक" दिखाती है और संकेत देती है कि आगे का इतिहास भविष्य में किसी अगले भाग में सामने आ सकता है। फिल्म का एक महत्वपूर्ण गुण यह है कि यह दर्शकों को विचार करने के लिए प्रेरित करती है। चाहे संघ के समर्थक हों या आलोचक दोनों के लिए यह फिल्म इतिहास के एक पक्ष को समझने का अवसर प्रदान करती है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, राजनीतिक निर्णयों की आलोचना और इतिहास की व्याख्या जैसे विषयों को फिल्म अप्रत्यक्ष रूप से उठाती है। यह दर्शक से अपेक्षा करती है कि वह तथ्यों को देखे, उन्हें तौले और फिर अपना निष्कर्ष स्वयं बनाए। एक तरह से देखें तो "शतक" एक वैचारिक फिल्म है, जिसका उद्देश्य मनोरंजन से अधिक विचार और इतिहास को प्रस्तुत करना है। इसकी गति कहीं-कहीं धीमी लग सकती है, किंतु इसका महत्व एक दस्तावेजी महत्व के रूप में है। समग्र रूप से "शतक" आधुनिक भारत के सामाजिक-राजनीतिक इतिहास के एक महत्वपूर्ण अध्याय की सिनेमाई प्रस्तुति है। यह फिल्म उन लोगों के लिए विशेष रूप से रोचक है जो संघ के इतिहास, उसकी विचारधारा और उसके कार्यों को समझना चाहते हैं। संघ के समर्थकों के लिए यह प्रेरणा का स्रोत हो सकती है, जबकि आलोचकों के लिए यह संवाद और विचार का अवसर प्रदान करती है। अंततः कहा जा सकता है कि "शतक" एक ऐसी फिल्म है जो इतिहास, विचार और भावनाओं के संगम से बनी है।

मेष राशिः आज आपका दिन नयी उमंगें लेकर आया है। काफी समय से किसी बात से परेशान लोग आज उसका समाधान ढूंढ लेंगे। लोगों के विचार और आपके बारे में बोली गई बातों के कारण आप मन ही मन उलझन में रहेंगे। इस राशि के स्टूडेंट आज अपनी पढाई को लेकर उत्साहित होंगे और ज्यादा समय पढ़ाई में बीतेगा, यह देखकर आपके घरवालों को ख़ुशी होगी।

वृष राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। कारोबार में अपनी मेहनत से आगे बढ़ेंगे। आज अच्छी खबर आपको मिलेगी। आज बच्चों के साथ समय बिताएंगे उनके मन की बातों को समझेंगे। काफी समय से आपके रिश्ते की बात चल रही थी वो जल्द पक्की होगी। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से प्रसन्नता होगी।

मिथुन राशिः आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज व्यक्तिगत जीवन की जिम्मेदारियों का निर्वाह करेंगे। इस राशि के राजनीतिज्ञों को लोगों का समर्थन मिलेगा। लोग आपके कार्यों की तारीफ करेंगे। पारिवारिक रिश्तों में मजबूती आयेगी। आपके दांपत्य जीवन में सुख सौहार्द की वृद्धि होगी। कारोबार में आज सेल में बढ़ोतरी होगी जिससे अच्छी खासी इनकम होगी।

कर्क राशिः आज आपका दिन ख़ुशी से भरा रहेगा। आपके कामों की गति धीमी रहेगी, लेकिन मित्रों के साथ आपके रिश्ते बेहतर रहेंगे। इसके साथ ही आप परिवार में सबको खुश रखने की कोशिश में लगे रहेंगे आपको अच्छा लगेगा। आज आपके अंदर त्याग और सहयोग की भावना रहेगी। आज बेटी के परीक्षा के अच्छे रिजल्ट से पारिवारिक माहौल खुशनुमा बनेगा। आज आपकी उलझने कम होंगी।

सिंह राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। इलेक्ट्रॉनिक्स के कारोबारियों को लाभ के योग बन रहे हैं। वैवाहिक जीवन में अपनापन बढ़ेगा। आज शाम का डिनर बाहर करेंगे। बच्चों के साथ आपसी लगाव बढ़ेगा। शिक्षकों के ट्रान्सफर की परेशानियाँ ख़त्म होंगी। आप जहां चाहते हैं ट्रान्सफर वहीं होगा। आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी।

कन्या राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपकी वाणी में कठोरता आ सकती है दूसरों के प्रति स्नेह भाव बनाएं रखें। पेट की समस्या से परेशान लोगों को ऑयली खाने से बचना चाहिए। आज संतान पक्ष से सुखद अनुभूति होगी। आज आपको आय के नवीन स्रोत मिलेंगे।

तुला राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपको किसी महत्वपूर्ण चर्चा में शामिल होने का मौका मिलेगा, जिसमें आपकी सहभागिता अच्छी खासी रहेगी। आज प्रिय मित्र आपसे किसी विशेष विषय को लेकर बातचीत कर सकता है। आज कोई काम आपको सोच-विचार कर करना चाहिए।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा। आज दोस्त आपका मनोबल बढ़ाएंगे। आज आपके स्वास्थ्य में बेहतरी बनी रहेगी। आज सोची हुई कार्य योजनाओं को पूर्ण करने में सफलता मिलेगी। जमीन जायदाद से जुड़े कार्य तेजी से आगे बढ़ेंगे। आज परिवार में संपत्ति संबंधित समस्या सुलझ सकता है, जिसमें आपको वरिष्ठ सदस्यों की मदद भी मिलेगी।

धनु राशिः आज आपका दिन सुख शांति से भरा रहेगा। पुत्र पक्ष से सहयोग मिलेगा। आपसी रिश्ते में मिठास बढ़ेगी। इस राशि के लोगों का निर्माण कार्य जल्द पूरा हो जायेगा। राजनीति से जुड़े लोगों का समाज में प्रभाव बढ़ेगा। लोग आपके कार्य से खुश होंगे। आज आपको प्रमोशन से जुड़ी खबर मिल सकती है।

मकर राशिः आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज जिस भी क्षेत्र में आप मेहनत करेंगे उसमें उन्नति हासिल करेंगे। आज आपकी सभी परेशानियों का अंत होगा। सफलता की नई किरण दिखाई देगी। आर्थिक क्षेत्र में विकास के योग बन रहे हैं। काफी समय से वाहन लेने का मन बना रहे हैं तो आज वाहन लेने में समय आपका साथ देगा।

कुम्भ राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आपके सोचे हुए कार्य एक-एक करके पूरे होते जायेंगे, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आपके कारोबार में सुखद बदलाव आयेगा, आय में बढ़ोतरी होगी। इस राशि के प्रतियोगी परीक्षा के छात्रों को समझदारी से तैयारी करनी चाहिए। लवमेट की काफी समय बाद कॉल पर बात होगी।

मीन राशिःआज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज परिवार में विशेष लोगों का आवागमन हो सकता है। आज आप इसकी तैयारी में व्यस्त रहेंगे। कविता लिखने के शौक़ीन लोगों को आगे बढ़ने का प्लेटफार्म किसी दोस्त की मदद से मिलेगा। आज आपके वैवाहिक जीवन में ढेरों खुशियाँ आएंगी।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

नमन अवॉर्ड्स 2026 की घोषणा, राहुल द्रविड़ और मिताली राज को लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने प्रतिष्ठित नमन अवार्ड 2026 के लिए सालाना पुरस्कारों की घोषणा कर दी है। इस बार के समारोह में भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ियों और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटरों को सम्मानित किया जाएगा। यह भव्य कार्यक्रम 15 मार्च 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होगा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय, घरेलू और आयु-वर्ग क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और भारतीय क्रिकेट में लंबे समय तक योगदान देने वाली हस्तियों को सम्मान मिलेगा। इस वर्ष के अवॉर्ड समारोह में पूर्व भारतीय कोच राहुल द्रविड और बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी को भारतीय क्रिकेट में उनके असाधारण योगदान के लिए 'कर्नल सी. के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया जाएगा। यह बीसीसीआई का सर्वोच्च सम्मान माना जाता है, जो उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने भारतीय क्रिकेट के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वहीं भारतीय महिला क्रिकेट की दिग्गज खिलाड़ी और पूर्व कप्तान मिताली राज को 'बीसीसीआई लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड फॉर विमेन' से सम्मानित किया जाएगा। 2024–25 सीजन के प्रदर्शन के आधार पर कई खिलाड़ियों को भी प्रतिष्ठित पुरस्कार दिए जाएंगे। भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल को 'सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर (पुरुष)' के लिए पॉली उमरीगर अवॉर्ड दिया जाएगा। गिल को यह सम्मान दूसरी बार मिलेगा। वहीं भारतीय महिला टीम की उपकप्तान समृति मांदना को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए पांचवीं बार 'सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर (महिला)' के पुरस्कार से नवाजा जाएगा। घरेलू क्रिकेट में भी कई खिलाड़ियों को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाएगा। मुंबई की युवा खिलाड़ी ईरा जादव को बल्ले से शानदार प्रदर्शन के लिए 'सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर (घरेलू)' की जगमोहन डालमिया ट्रॉफी दी जाएगी। वहीं हरियाणा की स्टार बल्लेबाज शैफाली वर्मा को सीनियर महिला घरेलू एकदिवसीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जगमोहन डालमिया ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा। पुरुष घरेलू क्रिकेट में मुंबई के आयुष मात्रे को लिमिटेड ओवर प्रतियोगिताओं में 'सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर' के लिए लाला अमरनाथ अवॉर्ड दिया जाएगा, जबकि विदर्भ के हर्ष दुबे को रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के लिए इसी श्रेणी का सम्मान मिलेगा। इसके अलावा मुंबई क्रिकेट एशोसिएशन को घरेलू टूर्नामेंट्स में शानदार प्रदर्शन के लिए 'सर्वश्रेष्ठ

प्रदर्शन' का पुरस्कार दिया जाएगा, क्योंकि इस सीजन में उसने चार ट्रॉफियां जीतने के साथ दो प्रतियोगिताओं में उपविजेता स्थान भी हासिल किया। नमन अवॉर्ड्स 2026 का एक विशेष आकर्षण उन भारतीय टीमों का सम्मान होगा जिन्होंने सभी पांच प्रमुख आईसीसी ट्रॉफियां जीती हैं। इसमें आईसीसी चैम्पियन्य ट्राफी 2025 और आईसीसी टी20 विश्वकप 2026 जीतने वाली सीनियर पुरुष टीम, आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्डकप 2025 जीतने वाली महिला टीम, आईसीसी अंडर -19 क्रिकेट वर्ल्डकप 2026 जीतने वाली पुरुष अंडर-19 टीम और आईससी अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्डकप 2025 जीतने वाली महिला अंडर-19 टीम शामिल हैं। यह सम्मान वैश्विक मंच पर भारतीय क्रिकेट की ऐतिहासिक सफलता का जश्न माना जा रहा है।

जगमोहन डालमिया ट्रॉफीः

- सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर (जूनियर) घरेलू 2024-25ः इरा जाधव (मुंबई)
- सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर (सीनियर) घरेलू 2024-25 (सीनियर महिला वन डे)- शैफाली वर्मा (हरियाणा)
- 2024-25 में (अंडर16) विजय मर्चेंट ट्रॉफी में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज - एलीट ग्रुपः यशबर्धन सिंह चौहान (मध्य प्रदेश)
- (अंडर16) में सर्वाधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ी 2024-25 में विजय मर्चेंट ट्रॉफी - प्लेट ग्रुपः किशन सरकार (त्रिपुरा)
- 2024-25 में विजय मर्चेंट ट्रॉफी (अंडर16) में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी - एलीट ग्रुपः शांतनु सिंह (उत्तर प्रदेश)
- सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी (अंडर16) 2024-25 में विजय मर्चेंट ट्रॉफी - प्लेट ग्रुपः प्रीतम राज (बिहार)

एम.ए चिदंबरम ट्रॉफीः

- 2024-25 में (अंडर19) कूच बिहार ट्रॉफी में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी - एलीट ग्रुपः हेमचुदेशन जे (तमिलनाडु)
- 2024-25 में (अंडर19) कूच बिहार ट्रॉफी में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी - प्लेट ग्रुपः अर्कजित रॉय (त्रिपुरा)
- 2024-25 में (अंडर19) कूच बिहार ट्रॉफी में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी - एलीट ग्रुपः नित्या जे पांड्या (बड़ौदा)
- 2024-25 में (अंडर19) कूच बिहार ट्रॉफी में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी - प्लेट ग्रुपः राघवन राममूर्ति (पुडुचेरी)
- 2024-25 में (अंडर23) कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी - एलीट ग्रुपः विक्की ओस्तवाल (महाराष्ट्र)
- 2024-25 में (अंडर23) कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी - प्लेट ग्रुपः दीपज्योति सैकिया (असम)
- 2024-25 में (अंडर23) कर्नल सी.के. नायडू ट्रॉफी में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी - एलीट ग्रुपः मैकनील एच.एन. (कर्नाटक)
- (अंडर23) में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी 2024-25 - प्लेट ग्रुपः आर जशवंत श्रीराम (पुडुचेरी)

माधवराव सिंधिया पुरस्कारः

- रणजी ट्रॉफी 2024-25 में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी - एलीट ग्रुपः हर्ष दुबे (विदर्भ)
- रणजी ट्रॉफी 2024-25 में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी - प्लेट ग्रुपः सुचित जे (नागालैंड)
- रणजी ट्रॉफी 2024-25 में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी - एलीट ग्रुपः वाय.व्ही. राठौड़ (विदर्भ)
- रणजी ट्रॉफी 2024-25 में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी - प्लेट ग्रुपः स्नेहल कौथंकर (गोवा)
- घरेलू लिमिटेड-ओवर्स प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ ऑल-राउंडर के लिए लाला अमरनाथ पुरस्कार, 2024-25ः आयुष म्हात्रे (मुंबई)
- रणजी ट्रॉफी में सर्वश्रेष्ठ ऑल-राउंडर के लिए लाला अमरनाथ पुरस्कार, 2024-25ः हर्ष दुबे (विदर्भ)
- 2024-25 के बीसीसीआई घरेलू टूर्नामेंट्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनः मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन
- 2023-24 में घरेलू क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ अंपायरः उल्हास गांधे (विदर्भ सीए) -
- वन डे इंटरनेशनल में सर्वाधिक विकेट - 2024-25 - महिलाः दीप्ति शर्मा
- वन डे इंटरनेशनल में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी - 2024-25 - महिलाः स्मृति मंधाना
- 2024-25 में सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय पदार्पण - महिलाः एन श्री चरणी
- 2024-25 में सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू - पुरुषः हर्षित राणा
- 2024-25 में सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर - महिलाः स्मृति मंधाना
- पॉली उमरीगर पुरस्कार - 2024-25 में सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर - पुरुषः शुभमन गिल
- कर्नल सी.के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कारः रोजर बिन्नी
- कर्नल सी.के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कारः राहुल द्रविड़
- बीसीसीआई लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार - महिलाः मिताली राज

सौरव गांगुली की चेतावनी, बोले- 2027 वनडे वर्ल्ड कप में होगी असली परीक्षा

एजेंसी, नई दिल्ली

हाल ही में टीम इंडिया ने कप्तान सूर्यकुमार यादव और मुख्य कोच गौतम गंभीर की अगुवाई में आईसीसी टी20 विश्वकप 2026 का खिताब जीतकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस जीत के साथ गौतम गंभीर ऐसे पहले भारतीय कोच बन गए हैं, जिन्होंने अपने कार्यकाल में टीम को आईसीसी चैम्पियन ट्राफी और टी20 विश्व कप दोनों का खिताब दिलाया है। हालांकि इस ऐतिहासिक सफलता के बाद पूर्व भारतीय कप्तान सौरभ गांगुली ने टीम को सतर्क रहने की सलाह दी है और कहा है कि असली चुनौती अभी बाकी है। एक इंटरव्यू में गांगुली ने कहा कि सफेद गेंद के क्रिकेट में भारतीय टीम की असली परीक्षा 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप में होगी। यह टूर्नामेंट दक्षिण अफ्रीका में खेला जाएगा और वहां की परिस्थितियां टीम और कोच दोनों की क्षमता की कड़ी परीक्षा लेंगी। गांगुली का मानना है कि मौजूदा भारतीय टीम मजबूत है और उसके पास प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की

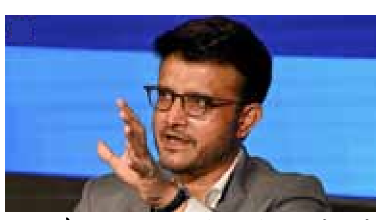

भरमार है, इसलिए अगर टीम सही दिशा में आगे बढ़ती है तो वह इस चुनौती में भी सफल हो सकती है। गांगुली ने यह भी कहा कि सीमित ओवरों के क्रिकेट में सफलता मिलने के बावजूद भारतीय टीम को टेस्ट क्रिकेट में अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाने की जरूरत है। उनके मुताबिक रेड बॉल क्रिकेट में टीम को विकेटों के बारे में जरूरत से ज्यादा सोचने के बजाय अपनी प्रणाली पर भरोसा करना चाहिए और बेहतर पिचों पर खेलने की मानसिकता विकसित करनी चाहिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि घरेलू सीरीज, खासकर इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबलों में केवल टर्निंग ट्रैक तैयार करने की रणनीति से बचना चाहिए। गांगुली के अनुसार अच्छे और संतुलित विकेट बेहतर क्रिकेट को जन्म देते हैं और इससे टीम का प्रदर्शन भी मजबूत होता है। उनका मानना है कि टेस्ट क्रिकेट में निरंतर सफलता के लिए यही रास्ता सबसे सही है। पूर्व कप्तान ने गौतम गंभीर के कामकाज की भी सराहना की और कहा कि वह एक सक्षम कोच हैं। गांगुली ने याद दिलाया कि उन्होंने पहले भी कहा था कि गंभीर को टीम के साथ काम करने के लिए समय दिया जाना चाहिए। उनके मुताबिक सीमित ओवरों के क्रिकेट में गंभीर ने खुद को साबित किया है और उनके पास एक मजबूत टीम भी मौजूद है। गौरतलब है कि भारतीय टीम ने पिछले ढाई वर्षों में सीमित ओवरों के क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो टी20 विश्व कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की है। हालांकि आईसीसी क्रिकेट वर्ल्डकप 2023 में टीम को हार का सामना करना पड़ा था, जहां खिताब आस्ट्रेलिया के पास गया था। अब 2027 के विश्व कप में भारत के पास ऑस्ट्रेलिया से ट्रॉफी छीनकर विश्व क्रिकेट में अपना दबदबा और मजबूत करने का मौका होगा।

बुमराह की यॉर्कर का दुनिया में नहीं कोई मुकाबला, माइकल क्लार्क ने बताया सबसे खतरनाक गेंदबाज

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की घातक गेंदबाजी ने एक बार फिर विश्व क्रिकेट में उनकी खास पहचान को मजबूत कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने बुमराह की जमकर तारीफ करते हुए उन्हें मौजूदा समय का सबसे खतरनाक तेज गेंदबाज बताया है। क्लार्क का मानना है कि 145 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार, नई गेंद से स्विंग कराने की क्षमता और बेहद सटीक यॉर्कर बुमराह को बाकी तेज गेंदबाजों से अलग बनाते हैं। उन्होंने कहा कि बुमराह जैसी यॉर्कर पूरी दुनिया में शायद ही कोई गेंदबाज डाल पाता हो। हाल ही में भारत की आईसीसी टी20 विश्वकप 2026 जीत के बाद क्लार्क ने बुमराह के प्रदर्शन को खास तौर पर सराहा। उन्होंने कहा कि बड़े मुकाबलों में दबाव झेलकर मैच जिताने की क्षमता ही बुमराह को खास बनाती

है। फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ उनके शानदार प्रदर्शन को याद करते हुए क्लार्क ने कहा कि 15 रन देकर चार विकेट लेना किसी भी बड़े मैच में असाधारण उपलब्धि है। उनके अनुसार बुमराह ऐसे गेंदबाज हैं जो मुश्किल परिस्थितियों में भी मैच का रुख पलटने की क्षमता रखते हैं। क्लार्क ने बुमराह की गेंदबाजी के तकनीकी पहलुओं पर भी विस्तार से बात की। उनका कहना है कि बुमराह की सबसे कम आंकी जाने वाली खासियत उनकी विविधता और सटीक एग्जीक्यूशन है। उन्होंने कहा कि बुमराह के पास गेंदबाजी के इतने विकल्प हैं, जो बहुत कम तेज गेंदबाजों के पास होते हैं। क्लार्क के मुताबिक बुमराह 100 में से 99 बार अपनी योजना को बिल्कुल सटीक तरीके से लागू करते हैं। वह पिच और परिस्थितियों को तेजी से समझ लेते हैं और उसी हिसाब से अपनी गेंदबाजी रणनीति बदल देते हैं। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड से तुलना करते हुए क्लार्क ने कहा कि ये तीनों गेंदबाज अपने आप में महान हैं, लेकिन बुमराह जैसी विविधता शायद ही किसी के पास हो। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या इन गेंदबाजों ने कभी केवल धीमी गेंदों के दम पर किसी भी प्रारूप में तीन या चार विकेट हासिल किए हैं। क्लार्क ने बुमराह की धीमी गेंद को बेसबॉल की कर्वबॉल जैसा बताया, जो हवा में ही अपना रास्ता बदलती नजर आती है। क्लार्क ने बुमराह की तुलना श्रीलंका के महान तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा से भी की। उनके अनुसार बुमराह का अनोखा गेंदबाजी एक्शन, गति और सटीक नियंत्रण उन्हें मलिंगा के सबसे करीब बनाता है। क्लार्क का मानना है कि चाहे नई गेंद हो या डेथ ओवर, बुमराह हर परिस्थिति में उतने ही खतरनाक साबित होते हैं। यही कारण है कि वह इस समय विश्व क्रिकेट के सबसे प्रभावशाली गेंदबाजों में गिने जाते हैं।

व्यापार

पश्चिम एशिया तनाव और एफआईआई की बिकवाली ने भारतीय शेयर बाजार में डाला दबाव

बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों में ही पांच फीसदी से अधिक की गिरावट रही

मुंबई। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने चार साल में अपनी सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों ही पांच फीसदी से अधिक की गिरावट के साथ बंद हुए। इस सप्ताह के दौरान निवेशकों की जोखिम उठाने की क्षमता कमजोर रही, रुपये में कमजोरी जारी रही, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली लगातार देखी गई और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने बाजार पर दबाव डाला। केवल मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान से थोड़ी राहत देखने को मिली, जब उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा संघर्ष जल्द समाप्त हो सकता है। सप्ताह की शुरुआत सोमवार

को सेंसेक्स 77,566.16 अंक पर बंद हुआ, जिसमें 1,352.74 अंक की गिरावट देखी गई। निफ्टी 24,028.05 अंक पर बंद हुआ, जो 422.40 अंक कम था। पश्चिम एशिया में तनाव और कमजोर वैश्विक संकेतों के कारण निवेशक बेचने के मूड में थे। मंगलवार को बाजार में सुधार देखा गया। सेंसेक्स 78,205.98 अंक और निफ्टी 24,261.60 अंक पर बंद हुए। अमेरिकी बयान और डॉलर के मुकाबले रुपया 92.14 तक मजबूत होने से बाजार को थोड़ी राहत मिली। बुधवार को बाजार फिर लाल निशान में बंद हुआ। सेंसेक्स 76,863.71 अंक और निफ्टी 23,866.85 अंक पर आ गए। ब्लू-चिप बैंक शेयरों में बिकवाली और विदेशी निधियों की निरंतर निकासी मुख्य कारण रहे। गुरुवार को कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और कमजोर वैश्विक रुझानों के चलते सेंसेक्स 76,034.42 अंक और निफ्टी 23,639.15 अंक पर गिर गया। सप्ताह का सबसे बड़ा नुकसान शुक्रवार को दर्ज हुआ। सेंसेक्स 74,563.92 अंक पर बंद हुआ, जिसमें 1,470.50 अंक की गिरावट रही, जबकि निफ्टी 23,151.10 अंक पर पहुंच गया। इस दिन बाजार में पश्चिम एशिया तनाव, लगातार बिकवाली और निवेशकों के डर ने प्रमुख भूमिका निभाई। बीते सप्ताह स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया का मार्केट कैपिटल सबसे अधिक प्रभावित हुआ। इसके अलावा लार्सन एंड टूब्रो, एचडीएफसी बैंक और बजाज फाइनेंस भी दबाव में रहे।

यूपी और उत्तराखंड में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गिरावट

देश के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल के भाव में बदलाव हुआ

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के चलते देश के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल के रेट में बदलाव देखने को मिला। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 26 पैसे सस्ता होकर 94.90 रुपए प्रति लीटर और डीजल 30 पैसे घटकर 88.01 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। वहीं उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में पेट्रोल 26 पैसे गिरकर 93.43 रुपए और डीजल 31 पैसे घटकर 88.33 रुपए प्रति लीटर पर आया। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई। पेट्रोल 35 पैसे बढ़कर 105.58 रुपए प्रति लीटर और डीजल 33 पैसे चढ़कर 91.82 रुपए प्रति लीटर हो गया। देश के चार प्रमुख महानगरों में आज पेट्रोल-डीजल की कीमतें इस प्रकार हैं- दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपए, डीजल 87.67 रुपए, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपए, डीजल 89.97 रुपए, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपए, डीजल 91.76 रुपए और चेन्नई में पेट्रोल 101.03 रुपए, डीजल 92.61 रुपए प्रति लिटर मिल रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2026 में ऐलान किया कि अब बायोगैस मिक्स सीएनजी पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क (सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी) का कैलकुलेशन करते

समय बायोगैस के पूरे प्राइस को बाहर रखा जाएगा। इससे बायोगैस वाली सीएनजी सस्ती होगी और टैक्स का बोझ कम होगा। यह बदलाव पर्यावरण के लिए भी लाभकारी माना जा रहा है क्योंकि बायोगैस खेतों के कचरे, फसल वेस्ट और कूड़े से तैयार किया जाता है और इसे रेगुलर सीएनजी में मिलाकर कम कार्बन वाला फ्यूल बनाया जाता है।

मेटा में 15,000 कर्मचारियों की छंटनी की तैयारीःये कुल वर्कफोर्स का 20% हिस्सा

नई दिल्ली। फेसबुक और इंस्टाग्राम की पेरेंट कंपनी मेटा एक बार फिर बड़े स्तर पर छंटनी की तैयारी में है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी अपने ग्लोबल वर्कफोर्स में से 20% कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा सकती है। मेटा के पास 31 दिसंबर 2025 तक लगभग 79,000 कर्मचारी थे, इस हिसाब से करीब 15,000 से ज्यादा लोगों की नौकरी जा सकती है। कंपनी यह कदम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर बढ़ रहे अरबों डॉलर के खर्च और डेटा सेंटर्स की लागत को मैनेज करने के लिए उठा रही है। हालांकि, मेटा के प्रवक्ता एंडी स्टोन ने इन खबरों को 'काल्पनिक' बताते हुए फिलहाल किसी भी छंटनी से इनकार किया है। AI में निवेश की भरपाई के लिए छंटनी का प्लान रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेटा ने अपने 'सुपरइंटेलिजेंस लैब्स' (MSL) में नई प्रतिभाओं को लाने के लिए भारी निवेश किया है। कंपनी ने हाल ही में अलेक्जेंडर वांग के स्टार्टअप 'स्केल एआई' को 14.5 बिलियन डॉलर (करीब 1.21 लाख करोड़ रुपए) में खरीदा है।

1 अप्रैल से महंगा हो जाएगा फास्टैग एनुअल पासः3,000 की जगह 3,075 देने होंगे; 52 लाख से ज्यादा यूजर्स पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली। अगले महीने यानी 1 अप्रैल से नेशनल हाईवे पर सफर करना थोड़ा महंगा हो जाएगा। सड़क परिवहन मंत्रालय ने फास्टैग (FASTag) एनुअल पास की कीमतों में 2.5% की बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। अब प्राइवेट गाड़ी मालिकों को सालाना पास के लिए 3,000 रुपए की जगह 3,075 रुपए चुकाने होंगे। यह पास कार यूजर्स को देशभर के 200 टोल प्लाजा पर बिना रुके सफर करने की सुविधा देता है।

सालाना रिवीजन के तहत बढ़ी कीमतें- सड़क परिवहन मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, जब फास्टैग एनुअल पास की शुरुआत की गई थी, तभी इसके नोटिफिकेशन में हर साल कीमतों की समीक्षा और बदलाव का प्रावधान रखा गया था। यह बढ़ोतरी उसी सालाना रिवीजन प्रक्रिया का हिस्सा है। देश भर में हाईवे टोल की दरों में बदलाव के लिए जो फॉर्मूला तय है, उसी के आधार पर इस बार 2.5% की वृद्धि की गई है।

52 लाख से ज्यादा लोग इस्तेमाल कर रहे हैं यह पास- सरकार ने 15 अगस्त से इस खास एनुअल पास की शुरुआत की थी, जिसे उम्मीद से कहीं ज्यादा बेहतर रिस्पॉन्स मिला है। अब तक 52 लाख से ज्यादा हाईवे कार यूजर्स इस स्कीम से जुड़ चुके हैं। इस पास की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे एक साल में कितनी

भी बार रिचार्ज कराया जा सकता है और यह लंबी दूरी तय करने वाले यात्रियों के लिए काफी किफायती साबित होता है।

31 मार्च तक पुराने रेट पर खरीदने का मौका- अगर आप अक्सर हाईवे पर सफर करते हैं और इस बढ़ोतरी से बचना चाहते हैं, तो आपके पास अभी मौका है। अधिकारियों ने बताया कि जो यूजर्स 31 मार्च तक अपना पास रिचार्ज करा लेंगे या नया पास खरीदेंगे, उन्हें यह पुराने रेट यानी 3,000 रुपए में ही मिल जाएगा। 1 अप्रैल की सुबह से सिस्टम में नई दरें अपडेट कर दी जाएंगी।

जेएसडब्ल्यू स्टील मोजाम्बिक में कोकिंग कोयला खदान करेगी विकसित

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र की एकीकृत इस्पात निर्माता कंपनी जेएसडब्ल्यू स्टील अफ्रीकी देश मोजाम्बिक में कोयले की एक खदान (मिनास डी रेवुबोए) को विकसित करने जा रही है। कंपनी ने एक बयान में यह जानकारी दी। कंपनी के बयान के अनुसार यह काम अलग-अलग चरणों में पूरा किया जाएगा। यह खदान मोजाम्बिक के टेते प्रांत के मोआटाइज कोयला क्षेत्र में स्थित है। इस खदान में कुल 85 करोड़ टन कोयले का भंडार है, जिसमें से 25 करोड़ टन कोकिंग कोल निकल सकता है। जेएसडब्ल्यू स्टील ने कहा कि वह इस खदान को कई चरणों में विकसित करेगी। पहले चरण का विकास अगले लगभग ढाई साल में पूरा करने की योजना है। इसके बाद खदान से हर साल करीब 24 लाख टन उच्च गुणवत्ता वाले कोकिंग कोयले का उत्पादन

किया जा सकेगा। यह परियोजना कंपनी की उस योजना का हिस्सा है जिसके तहत वह इस्पात बनाने के लिए जरूरी कच्चे माल की व्यवस्था खुद करना चाहती है। इससे इस्पात विनिर्माण में उपयोग होने वाले सबसे महत्वपूर्ण और महंगे कच्चे माल में से एक की लंबे समय तक स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित होने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि भारत में अच्छी गुणवत्ता वाले कोकिंग कोयले के भंडार बहुत कम हैं। इसलिए भारतीय इस्पात कंपनियों के लिए विदेशों में अपनी खदानों के माध्यम से कोयले की व्यवस्था करना जरूरी हो गया है।

आरबीआई ने मनाप्पुरम फाइनेंस पर लगाया 2.70 लाख रुपये का जुर्माना

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी मनाप्पुरम फाइनेंस पर 2.70 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने कुछ नियामकीय नियमों का पालन न करने की कमियों के लिए ये कार्रवाई की है। रिजर्व बैंक ने एक बयान में कहा कि निर्देशों का पालन न करने और उससे जुड़े पत्राचार की जांच के नतीजों के आधार पर कंपनी को एक नोटिस जारी किया गया था। नोटिस में कंपनी से पूछा गया कि उसने निर्देशों का पालन क्यों नहीं किया और इस असफलता के लिए उस पर जुर्माना क्यों न लगाया जाए। नोटिस पर कंपनी के जवाब और मौखिक दलीलों पर विचार करने के बाद रिजर्व बैंक ने

कहा कि उसने पाया कि मनाप्पुरम फाइनेंस ने कुछ प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों को पूरा वेरिएबल वेतन बिना किसी देरी के पहले ही दे दिया था। हालांकि आरबीआई ने यह भी कहा कि यह जुर्माना नियामकीय नियमों के पालन में कमियों के आधार पर लगाया गया है और इसका उद्देश्य कंपनी द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेन-देन या समझौते की वैधता पर कोई फैसला देना नहीं है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि मौद्रिक जुर्माना लगाने का मतलब यह नहीं है कि रिजर्व बैंक कंपनी के खिलाफ कोई अन्य कार्रवाई नहीं कर सकता।

नौ साल बाद भी 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' को मिल रहा दर्शकों का प्यार

बॉलीवुड की ऑन स्क्रीन जोडी वरुन धवन और आलिया भटट की शानदार केमिस्ट्री ने कई फिल्मों में दर्शकों का दिल जीता है। ऐसी ही फिल्म है बद्रीनाथ की दुल्हनियां, जिसने अपनी रिलीज के नौ साल पूरे कर लिए हैं। वर्ष 2017 में रिलीज हुई यह फिल्म उस समय बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई थी और आज भी इसके गाने और डायलॉग दर्शकों के बीच लोकप्रिय हैं। फिल्म के निर्देशक शशांक खेतान ने इस खास मौके पर सोशल मीडिया के जरिए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म का एक क्लिप साझा करते हुए लिखा कि 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' को रिलीज हुए नौ साल पूरे हो गए हैं और आज भी दर्शकों से मिल रहा प्यार उनके लिए बेहद खास है। उन्होंने सभी दर्शकों का आभार जताते हुए कहा कि फिल्म को मिले इस स्नेह के लिए वह दिल से आभारी हैं। इस फिल्म में आलिया भट्ट ने वैदेही त्रिवेदी का किरदार निभाया था, जो एक पढ़ी-लिखी और महत्वाकांक्षी युवती होती है। वह अपनी पढ़ाई और करियर को लेकर बेहद जागरूक रहती है और जीवन में आत्मनिर्भर बनने का सपना देखती है। वहीं वरुण धवन बद्रीनाथ बंसल के किरदार में नजर आए थे, जो एक छोटे शहर का युवक होता है और शुरुआत में उसकी सोच काफी पारंपरिक होती है। फिल्म की कहानी बद्री और वैदेही के रिश्ते और शादी के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां दोनों के विचारों और सपनों के बीच टकराव भी देखने को मिलता है। निर्देशक शशांक खेतान ने इस रोमांटिक ड्रामा के जरिए छोटे शहरों की लड़कियों की शिक्षा, करियर और आत्मनिर्भरता जैसे मुद्दों को हल्के-फुल्के और मनोरंजक अंदाज में पेश किया था। फिल्म में पैट्रियार्की, सहमति और महिलाओं के अधिकार जैसे सामाजिक विषयों को भी मनोरंजन के साथ जोड़ा गया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। यही वजह रही कि फिल्म ने मनोरंजन के साथ-साथ एक मजबूत सामाजिक संदेश भी दिया। बॉक्स ऑफिस पर भी 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' ने शानदार प्रदर्शन किया था और इसके कई गाने बेहद लोकप्रिय हुए थे। फिल्म का गीत 'तम्मा तम्मा' काफी चर्चित हुआ, जो 1990 में आई फिल्म थानेदार के लोकप्रिय गाने का रीमेक था। इसके अलावा 'रोके ना रुके नैना' गीत ने भी दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। इस गाने के लिए अरिजीत सिंह को 63वें फिल्मफेयर अवार्डस में सर्वश्रेष्ठ पुरुष पार्श्व गायक का पुरस्कार मिला था। (ईएमएस)

द केरल स्टोरी 2 ने 13वें दिन भी बॉक्स ऑफिस पर मचाया धमाल,'ओ रोमियो धीमी हुई कमाई, 'अस्सी का बुरा हाल

द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है. यह फिल्म 2023 की हिट द केरल स्टोरी का स्पिरिचुअल सीक्वल है, लेकिन यह अपने पहले पार्ट के बॉक्स ऑफिस नंबर्स की बराबरी करने में नाकाम रही है. फिर भी इसने अच्छा परफॉर्म किया है और अपने बजट से ज्यादा का कलेक्शन कर डाला है. यहां तक की दूसरे मंगलवार को तो इसकी कमाई में 30 फीसदी की तेजी भी दर्ज की गई. चलिए यहां जान लेते हैं कि द केरल स्टोरी 2 ने रिलीज के 13वें दिन यानी दूसरे बुधवार को कितना कलेक्शन किया है?

काफी विवादों में रही द केरल स्टोरी 2 ने सिनेमाघरों में फीकी शुरुआत की थी. लेकिन इसके बाद इसने दूसरे दिन से ऐसी रफ्तार पकड़ी की 9 दिनों के भीतर ही अपना बजट वसूल डाला. अब ये फिल्म मुनाफा कमाकर मेकर्स की तिजोरियां भरने का काम कर रही है. इस बीच अच्छी बात ये है कि दूसरे हफ्ते में भी ये फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब हो रही है. दूसरे बुधवार यानी 13वें दिन भी इसने अच्छी कमाई की है.,सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक द केरल स्टोरी 2 रिलीज के 13वें दिन 1.39 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ इसकी 13 दिनों की कुल नेट कमाई अब 38.44 करोड़ रुपये हो गई है. वहीं इसका भारत में ग्रॉस कलेक्शन 43.29 करोड़ रुपये हुआ है. 'ओ रोमियो मूवी को रिलीज हुए 27 दिन हो चुके हैं। ऐसे में ये फिल्म अभी भी ठीक-ठाक कमाई करती नजर आ रही है। बुधवार को इसने 27 लाख की कमाई की। जबकि फिल्म ने मंगलवार को 41 लाख रुपये कमाए थे। फिल्म अभी भी बॉक्स ऑफिस पर बनी हुई है, लेकिन इसने अभी तक 100 करोड़ का आंकड़ा पार नहीं किया है। इसका कुल कलेक्शन 71.02 करोड़ है। 'अस्सी फिल्म को रिलीज हुए दो हफ्तों से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा धमाल नहीं मचा पा रही है। सैकनिल्क के मुताबिक फिल्म ने 20वें दिन केवल 10 लाख की कमाई की। जबकि 19वें दिन इस फिल्म ने 12 लाख रुपये की कमाई की थी। मूवी अभी तक बॉक्स ऑफिस पर कुल 10.80 करोड़ की कमाई कर चुकी है।

अभिनेत्री मधुरिमा तुली हाल ही में बनीं शोस्टॉपर

अभिनेत्री मधुरिमा तुली हाल ही में प्रतिष्ठित कलकत्ता टाइम्स फैशन शोकेस में मशहूर डिज़ाइनर अर्चना कोचर के लिए शोस्टॉपर बनीं। उन्होंने रैंप वॉक करते हुए शो का समापन किया और अपनी शानदार मौजूदगी से सभी का ध्यान आकर्षित किया। आर्चना कोचर के खूबसूरती से तैयार किए गए परिधान में माधुरिमा बेहद आकर्षक लग रही थीं। उनकी ग्रेसफुल रैंप वॉक और आउटफिट की बारीक कारीगरी ने डिज़ाइनर की सिग्नेचर स्टाइल को खूबसूरती से पेश किया। माधुरिमा ने इस लुक को बेहद आत्मविश्वास और सहजता के साथ कैरी किया, जिससे उन्होंने एक मजबूत स्टाइल स्टेटमेंट दिया और अपने चार्म व पर्सनैलिटी से दर्शकों को प्रभावित किया।

यह इवेंट ग्लैमर, स्टाइल और क्रिएटिविटी से भरपूर रहा, जिसमें माधुरिमा की उपस्थिति शो की मुख्य झलकियों में से एक बन गई। उनकी कॉन्फिडेंट रैंप वॉक और शानदार लुक ने दर्शकों की खूब प्रशंसा बटोरी और डिज़ाइनर के प्रेजेंटेशन में स्टार पावर का तड़का लगा दिया। पिछले कुछ वर्षों में माधुरिमा ने फिल्मों और टेलीविजन के साथ-साथ फैशन की दुनिया में भी अपनी मजबूत पहचान बनाई है। अपनी एलिगेंट पर्सनैलिटी और बेहतरीन स्टाइल के साथ वह लगातार फैंस और फैशन प्रेमियों को प्रभावित करती आ रही हैं, जिससे इस इवेंट में उनका शोस्टॉपर बनना सचमुच यादगार बन गया।

हर रोल में कुछ नया करना चाहता हूं : सुधांशु पांडे

मुंबई (ईएमएस)। छोटे परदे के अभिनेता सुधांशु पांडे चर्चित शो दो दुनिया एक दिल में निगेटिव किरदार अदा कर रहे हैं। अगले एपिसोड में इस शो की कहानी में कई दिलचस्प मोड़ आने वाले है। हाल ही में एक बातचीत में अभिनेता ने बताया कि इस सीरियल में उनका रोल काफी जटिल और कई परतों वाला है, जो दर्शकों को समय-समय पर चौंका सकता है। सुधांशु पांडे का कहना है कि वह हर किरदार में कुछ नया और अलग करने की कोशिश करते हैं ताकि दर्शकों को कहानी में अनपेक्षित और दिलचस्प पल देखने को मिलें। उनके मुताबिक अभिनय की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि हर बार दर्शकों को कुछ नया अनुभव कराया जाए। उन्होंने बताया कि शो में उनका किरदार ऊपर से भले ही निगेटिव दिखाई देता है, लेकिन इसके कई आयाम हैं, जो धीरे-धीरे कहानी के साथ सामने आएंगे और दर्शकों को पात्र की असली परतों से परिचित कराएंगे। अभिनेता ने कहा कि उनकी हमेशा कोशिश रहती है कि वह ऐसे किरदार निभाएं जो दर्शकों के दिल में बस जाएं और लंबे समय तक याद रखे जाएं। उनके अनुसार अगर कोई पात्र दर्शकों के साथ भावनात्मक जुड़ाव बना लेता है, तो यह किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि होती है। बातचीत के दौरान उनसे यह भी पूछा गया कि शो में वह एक पिता की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि कई लोगों का मानना है कि वह अभी पिता के रोल के लिए काफी युवा दिखते हैं। इस पर सुधांशु पांडे ने कहा कि पिता बनने का मतलब यह नहीं है कि किसी व्यक्ति के बाल या दाढ़ी सफेद हो जाएं। उन्होंने कहा कि वह वास्तविक जीवन में भी पिता हैं और फिट तथा एक्टिव रहना उनकी जीवनशैली का हिस्सा है। उनके अनुसार समाज में पिता के लुक को लेकर एक पारंपरिक सोच बनी हुई है, जिसे बदलने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि फिटनेस और ऊर्जा हर उम्र में जरूरी होती है। उनका मानना है कि शादीशुदा और बच्चों वाले लोग भी उतने ही ऊर्जावान और सक्रिय हो सकते हैं जितने कि अविवाहित लोग। इसलिए लोगों को पुराने और सीमित सोच वाले नजरिए से बाहर निकलने की जरूरत है। शो की कहानी में डिजिटल अपराध और आधुनिक तकनीक के जरिए होने वाले जटिल घोटालों को भी दिखाया जा रहा है। इस विषय पर बात करते हुए सुधांशु पांडे ने कहा कि शिक्षा और जागरूकता दो अलग-अलग बातें हैं। उनके अनुसार कई बार बहुत पढ़े-लिखे लोग भी डिजिटल धोखाधड़ी के शिकार हो जाते हैं, जबकि कुछ लोग इन स्कैम को अंजाम भी देते हैं।

काशिका कपूर का पारंपरिक और वेस्टर्न फैशन का शानदार मेल

अभिनेत्री काशिका कपूर अपने बेहतरीन स्टाइल सेंस से लगातार लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही हैं। पारंपरिक और वेस्टर्न फैशन के बीच संतुलन बनाने की उनकी कला बेहद सहज और प्रभावशाली है। अपनी गरिमामयी मौजूदगी और आत्मविश्वास भरे व्यक्तित्व के लिए जानी जाने वाली यह अभिनेत्री अपने ऐसे लुक्स से फैशन प्रेमियों को प्रभावित करती रहती हैं, जो एलिगेंस, आकर्षण और आधुनिक अंदाज़ को खूबसूरती से दर्शाते हैं। जब पारंपरिक पहनावे की बात आती है, तो काशिका हर आउटफिट को बड़ी ही शालीनता के साथ कैरी करती हैं। खूबसूरत डिटेलिंग वाले एथनिक परिधानों से लेकर क्लासिक सिल्हूट तक, वह पारंपरिक फैशन में एक नया और ताज़गी भरा अंदाज़ जोड़ती हैं, जबकि उसकी मूल भावना को भी बनाए रखती हैं। उनके स्टाइलिंग चॉइस, हल्के मेकअप और सलीकेदार एक्सेसरीज़ के साथ मिलकर उनके आकर्षक व्यक्तित्व को और निखारते हैं।

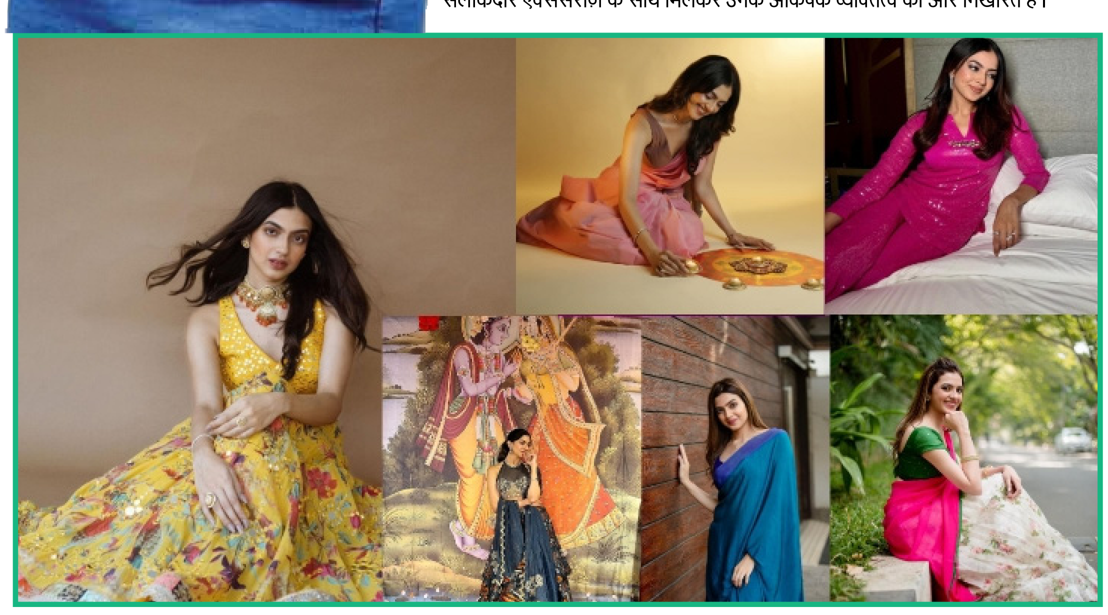

कमर दर्द से राहत और बेहतर पाचन के लिए रोज करें उत्थित पार्श्वकोणासन

रोजाना योगाभ्यास स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में महत्पवूर्ण भूमिका अदा करता है। कई लोग आम योगासन को बारे में तो जानते हैं, लेकिन उत्थित पार्श्वकोणासन के बारे में कम ही जानते हैं। इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर को कई तरह के शारीरिक लाभ मिल सकते हैं। उत्थित पार्श्वकोणासन एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ विस्तारित पार्श्व कोण मुद्रा है। यह खड़े होकर किया जाने वाला योगासन है, जो तत्वों को मिलाकर शरीर के साइड भाग को खोलता है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर के दोनों तरफ में गहरा खिंचाव आता है, जिससे कमर दर्द में राहत मिलती है और रीढ़ की हड्डी लचीली बनती है। योग विशेषज्ञों का मानना है कि रोजाना 30-60 सेकंड तक इसके अभ्यास से जीवनशैली बेहतर हो सकती है। हालांकि, इसके साथ संतुलित आहार भी लेना चाहिए।

इसको करना बेहद आसान है। इसके लिए सबसे पहले योगा मैट पर दोनों पैरों को एक दूसरे से दूर फैला लें। अब दाहिने पैर के पंजे को बाहर की तरफ घुटने से धीरे-धीरे मोड़ें और उसी मुद्रा में नीचे की ओर बैठें। फिर अपने दाएं हाथ को दाएं पैर के पास जमीन पर रखें और बाएं हाथ को ऊपर की ओर सीधा 90 डिग्री के एंगल में रखने की कोशिश करें। कुछ देर इसी मुद्रा में रहने की कोशिश करें, फिर धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं। हालांकि, शुरुआती अभ्यासकर्ताओं को इसको करने में थोड़ी दिक्कत हो सकती है, लेकिन धीरे-धीरे आदत हो जाएगी और शरीर खुलने लगेगा। आयुष मंत्रालय ने इसको करने के फायदे पर अहम प्रकाश डाला है। उनके अनुसार, यह एक खड़ी मुद्रा वाला योगासन है, जो पेट के अंगों की मालिश करता है, पाचन में सुधार लाता है, और पैरों व रीढ़ को मजबूत करता है। इसके अलावा, शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है और रीढ़ की हड्डी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वहीं, इससे दिमाग को शांति भी मिलती है और मानसिक तनाव से भी दूरी बनी रहती है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर को कई तरह के लाभ मिल सकते हैं, लेकिन शुरुआत में इसको किसी योग विशेषज्ञ की निगरानी में ही करें, और अगर आपको कोई गंभीर चोट, माइग्रेन, या हाल ही में कोई सर्जरी हुई है, तो करने से पहले डॉक्टर या योग विशेषज्ञ से सलाह लें।

India Inc yet to build capabilities for net-zero shift: IMT-UNGCNI study

New Delhi, Agency: A new study on India's sustainability transition found that while the corporate sector is increasingly embracing sustainability, it still lacks the skills and organisational capacity needed to translate climate commitments into real action. The report, 'Building India's Net Zero Capability: Industry Readiness and Skills', prepared by IMT Ghaziabad in collaboration with the United Nations Global Compact Network India (UNGCNI), was launched here by Atish Chattopadhyay, Director IMT, and Ratnesh Jha, Executive Director UNGCNI, on Friday.

The first-of-its-kind study examines how ready Indian businesses are to meet sustainability and net-zero goals, which further transcends to Sustainable Development Goals.

"The modern industrial system, built on coal, oil and gas, powered growth and improved living standards for over a century. But it now presents a major challenge: how can we continue to grow and prosper without damaging the planet's ecosystems that sustain life," said Atish Chattopadhyay in the context of India as a major energy importer.

Based on a survey of 113 organisations across sectors such as manufacturing, finance, technology, logistics and retail, the study found a widening gap between intent and execution capabilities.

India aims to achieve net zero emissions by 2070. The study flagged major capacity gaps to ascertain what motivates firms to adapt, embed sustainability practices, and build capability to move from compliance to execution. It asserted that while sustainability is gaining traction within India Inc and leadership intent is often strong, operational readiness remains uneven.

Many companies began integrating environmental, social and governance (ESG) practices, particularly around energy use, emissions management and supply-chain oversight. However, fragmented responsibilities, limited data systems and skill shortages continue to slow progress.

The survey highlighted regulation as a major trigger, with about 51% of firms citing regulatory requirements as a key driver. At the same time, around 68% said internal leadership vision is pushing companies to adopt sustainability strategies. Yet, it found that organisational capacity remains limited. Over half the surveyed companies reported having "fewer than 5 professionals dedicated to sustainability or ESG roles, and nearly 1 in 10 said they had no dedicated personnel at all".

First-year IIT-Delhi student dies by suicide on campus; no note found

New Delhi, Agency: A first-year BTech student of IIT-Delhi is suspected to have died by suicide on the campus on Thursday. According to police, preliminary investigation suggests depression may have led to the incident. No suicide note was recovered from the spot.

Cops at Kishangarh police station received information about the incident around 8.35am Thursday. On reaching the spot, they discovered the body of the student in his room at New Vindhyachal Apartments on the campus. A doctor at IIT-Delhi Hospital examined him and declared him brought dead.

Preliminary inquiry revealed the student, aged 19, resided in the apartment with his mother, who had gone to her native place in Rajasthan on March 10. She last spoke with him over the phone on March 11, around 11pm. The following morning, when he did not respond to her calls, another resident opened the room with the help of security staff and discovered the youth had taken the extreme step.

Crime and FSL teams inspected the scene. The student's father, whose statement was recorded by police, expressed no suspicion of foul play. The body was sent to Safdarjung Hospital for a post-mortem examination and later handed over to the family.

Following the incident, the security officer of IIT-Delhi, citing a Supreme Court judgment from Ma-rch 24, 2025, submitted a written complaint requesting registration of an FIR and a detailed investigation.

Delhi Police bust pirated NCERT books racket, arrest DU graduate

New Delhi, Agency: The Crime Branch of Delhi Police has arrested a Delhi University graduate and seized a massive consignment of pirated educational material during a raid at a godown in Shahbad Daulatpur village, in outer Delhi, officials said on Friday. A total of 5,011 counterfeit textbooks of the National Council of Educational Research and Training (NCERT) were recovered from the premises, the police added.

The accused, identified as Arvind Kumar, was apprehended after a tip-off prompted authorities to investigate the storage and distribution of fake educational books circulating in the national capital region. Officials said the raid was conducted on March 12 following specific intelligence that a large stockpile of pirated NCERT books, catering to students from Classes 1 to 12, had been hoarded in the godown for commercial sale.

During the search operation, police found thousands of textbooks in both Hindi and English stacked neatly inside the warehouse. Representatives from NCERT were called to inspect the seized material and confirmed that the books were counterfeit. Following verification, the entire stock of 5,011 books was confiscated, and Kumar was taken into custody on the spot. A formal case has been registered, and further investigations are underway to identify other individuals involved in the production, storage, and distribution of the pirated textbooks.

Police sources revealed that Kumar, originally from Bihar, had moved to Delhi in 2003, where his father worked as a newspaper hawker. Kumar later graduated from Hansraj College, University of Delhi, and pursued a master's degree through Indira Gandhi National Open University.

Officials noted that after failing to secure a government job through competitive examinations, Kumar allegedly turned to the business of selling pirated NCERT textbooks in 2022. Police records indicate that he is a repeat offender, having previously been booked in two separate cases related to the sale of counterfeit books in Delhi. Authorities have warned parents and students to purchase educational material only from authorized sources and emphasized that counterfeit books not only infringe copyright laws but also jeopardize students' learning by providing inaccurate content.

SC panel recommends retaining 38 deer at Hauz Khas deer park and translocating remaining to rajasthan

New Delhi, Agency: The Supreme Court-appointed Central Empowered Committee (CEC) has recommended that only 38 deer should be retained in the deer park at Hauz Khas, given the space available. The remaining animals, now over 350, should be translocated to Rajasthan in a phased manner. It also suggested that the Central Zoo Authority (CZA) restore the park's status as a mini zoo, and several habitat enrichment measures must be undertaken too.

After the recommendations of the CEC, Supreme Court will take the final call. In a report dated March 6, the CEC said the enclosure can sustainably and humanely accommodate 38 spotted deer, with an optimal sex ratio of 15 males to 23 females. It observed that 261 deer had already been shifted to Ramgarh Vishdhari Tiger Reserve and Mukundara Hills Tiger Reserve in Rajasthan between 2023 and 2025.

The CEC observed that the current deer population at the park is substantially in excess of the scientifically assessed capacity, giving rise to serious concerns of animal welfare, habitat sustainability, and long-term population management.

"For assessing the carrying capacity of the deer enclosure, the CEC examined the Guidelines for Establishment and Scientific Management of Zoos in India, 2008. It prescribes a minimum outdoor enclosure area of 1,500 sq metres per pair of spotted deer.... Treating approximately 70% of the gross enclosure area as net usable open space, the existing enclosure at AN Jha Deer Park, measuring about 10.26 acres (around 41,500 sq metres), provides an estimated usable area of about 29,000 sq metres," the report said.

The CEC also flagged signs of ecological stress within the enclosure, noting overgrazing, soil compaction and deterioration of ground vegetation. It recommended the planting of native grass, restoring of water bodies and lakes within the park, repairing of damaged fencing and night shelters.

"Conservation science and contemporary wildlife management recognise translocation and prey augmentation as legitimate and widely accepted tools, particularly where such interventions are directed towards restoration of ecological balance," the report said. The committee said that in the absence of individual identification measures such as ear tags, collars, or other permanent markings at the time of release, the precise survival rate of the translocated deer could not be ascertained.

The park, which was set up in 1968 with just six deer brought from Uttarakhand, saw its population expand significantly over the decades. In 2023, CZA withdrew its mini zoo recognition and approved the translocation of nearly 600 deer, a decision that was subsequently challenged in Supreme Court.

MCD to continue with existing toll agency as city prepares for ANPR rollout

New Delhi, Agency: Municipal Corporation of Delhi (MCD) on Friday approved a six-month extension for the agency managing toll collection at 156 plazas across the capital, with the current contract set to end on April 9.

The extension will remain in force until a fresh tender is finalised or the six-month period lapses, whichever comes first, and the civic body will continue with the existing annual revenue arrangement of around Rs 864 crore.

Supreme Court had earlier suggested that MCD consider removing nine toll plazas located on national highways entering Delhi to help reduce traffic congestion.

Based on a report from the Commission for Air Quality Management, the apex court also asked MCD to explain why immediate steps should not be taken to install and fully operationalise a barrier-free Multi-Lane Free Flow (MLFF) system integrated with RFID and Automatic Number Plate Recognition (ANPR) at all toll points by Oct this year to ease congestion at Delhi's border entry points. The court added that if MCD failed to meet the MLFF deadline, it could be directed to restrict toll collection at the nine plazas only to vehicles liable to pay environment compensation charges during the peak winter months.

MCD officials said the civic body is already working on it and plans to introduce ANPR systems across 156 toll points. Once implemented, vehicles will not have to stop at plazas, as cameras will scan number plates and deduct toll amounts from FASTag accounts linked to the vehicle registration number. The request for proposal for installing the system has been issued, officials said.

Bank ordered to pay Delhi-based company for refusing to deposit Rs 3.2 crore during demonetisation

New Delhi, Agency: In 2016, Axis Bank refused to allow a Delhi-based company to deposit Rs 3.2 crore in cash during demonetisation. The National Consumer Disputes Redressal Commission has now ordered the bank to pay the amount with 6% interest to the company as its cash turned into "worthless paper" when the deadline passed and suffered "irreversible loss".

The bank defended its decision on the ground that the deposit was suspicious, but the commission said the bank unilaterally branding the complainant, Procure Logistics Services Private Limited, as a high-risk account and denying deposit of cash in their own KYC-compliant account during the critical time window violated govt policies and RBI notifications.

Even assuming that the OP Bank entertained any doubt or suspicion, the lawful course open to it was to accept the deposits, bring the funds within the formal banking channel and thereafter facilitate post-transaction reporting and investigation by the designated authorities," a bench of J Rajendra and A K Mendiratta said in its order.

Where time surrenders to shade of trees and greenery of parks

New Delhi, Agency: Step into Jor Bagh and the city's chaos pauses at its gates. Streets lined with trees stretch ahead, most houses face lush parks, and the neighbourhood seems infused with a stillness locals proudly call its biggest luxury. "Jor Bagh is all about this sense of calm," most of them say when asked what defines this upscale south Delhi residential area.

Developed in the immediate decades after Independence, mainly during the 1950s and 1960s as the capital expanded beyond Lutyens' Delhi, Jor Bagh quickly grew into one of the city's most prestigious addresses. Located close to Lodhi-era monuments and sprawling gardens, the colony's name is believed to have come from a nearby historical tomb complex linked to that period.

Planned as a low-density residential neighbourhood, Jor Bagh soon became home to senior bureaucrats, diplomats, politicians and professionals. Over time, several old bungalows have made way for modern low-rise apartments, but the wide roads, green cover and quiet residential feel have largely survived the inevitable transition.

For Jor Bagh RWA President, Anmol Khanna, the story of Jor Bagh is also a deeply personal one. He arrived here more than 35 years ago when he was still in his second year of college, and has watched the neighbourhood evolve from a quiet government enclave into one of Delhi's most sought-after addresses.

Jor Bagh has around 233 houses, and many families have been living here for over 70 years. Like them, much of the yesteryear charm, Khanna says, still holds today. "There's still greenery all around."

"There is a sense of calmness in our colony. When you enter, the first thing you notice is the greenery. I shifted here over 35 years ago, when I was in my second year of college. Jor Bagh has 233 houses, and the area was largely home to families residing here for over 70years. The cleanliness was remarkable. There were far fewer cars on the road and everything felt well managed and amazing neighbourhood feeling," Khanna said.

"Fast forward to today, it is still one of the best places to live. You enter and see greenery all around. Most houses face parks, and that view is what people value the most. The calmness inside the colony still remains. Of course, parking has become a problem as the number of cars has increased. On cleanliness too, Jor Bagh RWA pioneering to be zero-waste neighbourhood in Lutyens Delhi. What has truly stayed the same is the social cohesion - residents were united then and they still come together for festivals and functions. But yes, with the builder-floor concept coming in, the load on infrastructure has increased significantly," he added further.

Despite its laidback feel, the colony sits at the heart of the capital and is highly accessible. Major roads like Aurobindo Marg and Lodhi Road connect it quickly to central and south Delhi, while Jor Bagh metro station takes one easily to Yellow Line landmarks, such as Connaught Place, Hauz Khas and Gurgaon. Residents say this rare combination of quiet residential living and strong connectivity is one of the reasons the neighbourhood continues to be in high demand.

However, the pressures of a changing city have crept in. Parking space is tougher to find as the number of cars rise, and the shift towards builder floors has increased the load on local infrastructure. The RWA, meanwhile, is pushing to make Jor Bagh a zerowaste neighbourhood.